हरिभूमि
रेवाड़ी भूमि
रोहतक, रविवार, 24 अगस्त 2025

तापमान

अधिकतम 34 .6 डिग्री
न्यूनतम 22 .5 डिग्री

11 सैनिक स्कूल में अंतरसदनीय हिंदी वक्तृत्व कला स्पर्धा का आयोजन ...

12 जिला स्तरीय खेलकूद स्पर्धाओं में गर्ल्स का बेहतरीन प्रदर्शन, खो-खो अंडर-19 में बावल व अंडर-17 में रेवाड़ी बना विजेता

खबर संक्षेप

सड़क हादसे के बाद फरार चालक काबू

रेवाड़ी। पुलिस ने सड़क हादसों के बाद मौके से फरार हुए दो वाहन चालकों को गिरफ्तार किया है। कसोला चौक पर गत 20 अगस्त को हादसे के बाद चालक मौके से फरार हो गया था। इस मामले में राजस्थान के नवासी निवासी विकास को पुलिस ने ट्रक सहित काबू किया है। रोहड़ाई थाना पुलिस ने 9 अगस्त को पाल्हावास के पास हुए हादसे में आरोपी गुरूग्राम के करोला निवासी सीताराम को बाइक सहित गिरफ्तार किया है। दोनों को पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

मारपीट मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

बावल। माजरा गुरदास गांव में मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गांव के एक व्यक्ति के बयान पर पुलिस ने 20 अगस्त को विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। जांच के बाद पुलिस ने इस मामले में माजरा गुरदास निवासी विजय व धनपत को गिरफ्तार कर लिया। उन पर मारपीट करने व धमकी देने का आरोप है। दोनों आरोपियों को कोर्ट में पेश करने के बाद जमानत पर रिहा कर दिया गया।

मारपीट मामले में चार आरोपी गिरफ्तार

धारूहेड़ा। पुलिस ने मालाहेड़ा में मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पीड़ित के बयान पर पुलिस ने गांव के कई आरोपियों के खिलाफ 10 अगस्त को विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। जांच के बाद पुलिस ने गांव निवासी अशोक, पूजा, रोहित व देवेंद्र को इस मामले में गिरफ्तार कर लिया। इन पर मारपीट करने और धमकी देने के आरोप हैं। चारों आरोपियों को पुलिस बेल पर छोड़ दिया गया।

अवैध शराब के साथ एक आरोपी काबू

रेवाड़ी। सिटी पुलिस ने संघी का बास में एक व्यक्ति को अवैध शराब बेचने के आरोप में गिरफ्तार किया है। पुलिस को सूचना मिली थी मोहल्ला निवासी जोगिंद्र अवैध रूप से शराब बेचने का धंधा करता है। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने छापामारी की, तो आरोपी कब्जे से 11 बोतल देशी शराब बरामद हुई। शराब बेचने के बाद मिले 420 रुपये भी पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिए। उसे मौके पर ही गिरफ्तार करने के बाद एक्साइज एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है।

कोर्ट से घोषित पीओ को किया गिरफ्तार

बावल। पुलिस ने कोर्ट से घोषित किए गए एक पीओ को तीन साल बाद काबू किया है। एक मामले में कोर्ट ने राजस्थान के नया बास निवासी विकास को पीओ घोषित किया था। अदालत के आदेश पर उसके खिलाफ बावल पुलिस थाने में 29 अप्रैल 2022 को केस दर्ज किया गया था। पुलिस ने अब आरोपी विकास को गिरफ्तार करने के बाद कोर्ट में पेश कर दिया। उसे कोर्ट से जमानत मिलने के बाद रिहा कर दिया गया।

बुड़ौली गांव से अवैध शराब बरामद

डहीना। पुलिस चौकी ने बुड़ौली गांव में शराब बेच रहे एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि बुड़ौली निवासी मुकेश गांव के श्मशान घाट के पास शराब बेच रहा है। पुलिस ने मौके पर जाकर आरोपी को काबू कर लिया। उसके कब्जे से शराब की 14 बोतल बरामद हुईं। आरोपी को शराब सहित गिरफ्तार करने के बाद पुलिस ने उसके खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत केस दर्ज कर लिया।

रेवाड़ी। सरकुलर रोड पर सती कॉलोनी चौक पर जमा गंदा पानी व निकलते लोग, सड़क पर गंदा पानी जमा होने से लगा जाम, गंदे पानी से लगे जाम से नाईवाली पुल पर लगी वाहनों की कतार। फोटो :हरिभूमि

शनिवार को बरसात के बाद नाईवाली चौक से अग्रसेन चौक तक आया नालों का गंदा पानी

सरकुलर रोड पर जमा गंदे पानी से ट्रैफिक जाम नाईवाली ओवरब्रिज तक वाहनों की कतार

■ ट्रैफिक सुचारू करने के लिए पुलिस करती रही मशक्कत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

बरसात के मौसम में सफाई के अभाव में शहर की सड़कों पर ओवरफ्लो होते सीवर व गंदगी से अटे नाले परेशानी बने हुए है। हल्की बरसात में शहर के सरकुलर रोड पर पानी जमा होने से ट्रैफिक बाधित हो रहा है। वर्तमान में सबसे ज्यादा स्थिति नाईवाली चौक से अग्रसेन चौक के बीच तथा भाड़ावास गेट के पास हो रही है, जबकि नगर परिसर कार्यालय भी यहीं पर स्थित है। सड़क पर गंदा पानी जमा होने से गड्ढे नजर नहीं आ रहे है, जिससे वाहन चालकों का परेशानी उठानी पड़ रही है। नगर परिषद की सुस्त कार्यशैली के कारण शहर में सफाई व्यवस्था बेहाल हो गई है। बरसाती नाले लाखों का ठेका देने के बाद भी सफाई नहीं होने से गंदगी से अटे हुए है, जिससे शहर की सड़कों से पानी की निकासी नहीं हो पा रही है।

लोगों के लिए समस्या पैदा करने में पब्लिक हैल्थ विभाग भी नगर परिषद का पूरा साथ दे रहा है। बरसात के कारण शहर के ज्यादातर इलाकों में ओवरफ्लो होकर सीवर उफान मार रहे है। सीवर का गंदा पानी सड़कों पर बह रहा है। शनिवार को बरसात के बाद नाईवाली चौक से सती कॉलोनी चौक की सड़क पर बैक मारते नालों व सीवर का गंदा पानी जमा हो गया, जिससे पूरे दिन जाम की स्थिति बनी रही। टैफिक पुलिस को यातायात सुचारू करने में काफी मशक्कत करनी पड़ी।

रेवाड़ी। सरकुलर रोड पर ट्रैफिक कंट्रोल करता पुलिस कर्मी। फोटो :हरिभूमि

सीवर ओवरफ्लो से दलदल बना सेक्टर पार्क

सीवर का गंदा पानी बरसात के पानी में मिलकर सड़कों पर लोगों के लिए और ज्यादा परेशानी पैदा कर रहा है। नगर परिषद व जनस्वास्थ्य विभाग की सुस्त कार्यशैली के कारण सेक्टर-1 पार्क व नेहरू पार्क में भी सीवर का पानी जमा है, जिससे उठती दुर्गंध के कारण सेक्टरवासी परेशान है। पार्क में सीवर के ओवरफ्लो की समस्या व अन्य समस्याओं को लेकर सेक्टरवासी प्रशासन को शिकायत दे चुक है, समस्या का समाधान नहीं हो रहा है। सीवर ओवरफ्लो के गंदे पानी से सेक्टर-1 पार्क में दलदल बन चुका है। मानसून का सीजन में भी प्रशासन की ओर से शहर से पानी की निकासी के प्रबंध नहीं किए जा है। नगर परिषद की लापरवाही से सरकुलर रोड सहित अन्य नालों की सफाई में खानापूर्ति करने से शहर में जलभराव की समस्या उत्पन्न हो रही है। वर्तमान में शहर के बावल रोड स्थित बरसाती नाला, मिनी बाइपास से साधूशाह नगर जा रहा बरसाती नाला, दिल्ली रोड का बरसाती नाला, राव तुलाराम पार्क के पास का नाला, मॉडल टाउन का नाला व नारनौल रोड स्थित नाला सहित सरकुलर रोड के नाले गंदगी से सरोबार है।

युवक की करंट से हुई मौत को लेकर पंचायत आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोसली

■ परिवार को आर्थिक मदद देने की मांग

मुमताजपुर गांव निवासी निवासी जितेन्द्र की 9 अगस्त को बिजली करंट से हुई मौत को लेकर मुमताजपुर व गोरिया गांव की एक संयुक्त पंचायत शनिवार को मुमताज पुर गांव में आयोजित की गई। पंचायत में मौजूद दोनों गांवों के लोगों ने कहा कि जितेन्द्र की मौत बिजली विभाग के संबंधित अधिकारियों व कर्मचारियों की लापरवाही के कारण हुई है। ग्रामीणों ने कहा कि मृतक के खेत में लगभग डेढ़ महीने पहले बिजली की नई लाइन डाली गई थी, जिसके दौरान बिजली विभाग ने एक तार नीचे जमीन पर छोड़ दिया था तथा खेत में स्थित ट्रांसफार्मर के खंभे से बांध रखा था, जिसके छू जाने से जितेंद्र की मौत हो गई। ग्रामीणों ने कहा कि यदि उक्त घटना के संबंध में बिजली विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई की तो एक महापचांयत बुलाकर जिला स्तर पर धरना व विरोध प्रर्दशन किया जाएगा। ग्रामीणों ने कहा कि गांव गोरिया में घरेलू बिजली आपूर्ति की लाइन के लगभग सात ट्रांसफार्मर बिना स्विच के चल रहे हैं। ग्रामीणों ने सरकार से मृतक जितेन्द्र के परिवार के भरण पोषण के लिए आर्थिक सहायता दिए जाने की मांग की है।

बनीपुर मेले में पहुंचे बाबा बालकनाथ

■ ग्रामीणों से विकासकार्यों को लेकर चर्चा की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बावल

राजस्थान के तिजारा से विधायक बाबा बालकनाथ ने शनिवार को बनीपुर गांव में आयोजित बाबा अमरनाथ के वार्षिक मेले में चीफ गेस्ट के रूप में शामिल हुए। उन्होंने ग्रामीणों से विकासकार्यों को लेकर चर्चा की। गांव में हर साल लगने वाले इस मेले में बाबा बालकनाथ को विशेष तौर पर आमंत्रित किया गया था। मेले में पहुंचे बाबा बालकनाथ ने इस मौके पर कहा कि मेले हमारी प्राचीन परंपरा को आगे बढ़ाने का कार्य करते हैं। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में आपसी भाईचारे की भावना बढ़ती है। मेल में बाहर रहने वाले गांव के लोग भी शामिल होते हैं, जिनसे उनमें आपसी प्यार और सौहार्द की भावना को बढ़ावा मिलता है। विकासकार्यों पर चर्चा करते हुए बाबा बालकनाथ ने कहा कि देश और प्रदेश में भाजपा की सरकारें एक विजन के साथ विकास को गति प्रदान कर रही हैं। हरियाणा और राजस्थान दोनों राज्यों में भाजपा की सरकारें हैं, जिस कारण परस्पर समन्वय से सीमावर्ती इलाकों में विकास कराया जा रहा है। इस मौके पर बड़ी संख्या में बनीपुर व आसपास के गांवों के लोग मौजूद रहे।

रेवाड़ी। कार्यक्रम में लोगों से मिलते बाबा बालकनाथ। फोटो :हरिभूमि

ठेके पास खड़ी कार से हथियार बरामद, आरोपी मौके पर ही किया काबू

रेवाड़ी। थाना रामपुरा पुलिस ने भाड़ावास गांव में एक कार से देशी कट्टा व तलवार बरामद किए हैं। पुलिस ने आरोपी को मौके पर काबू कर लिया। उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि जैतड़ावास निवासी रविंद्र अपने पास अवैध हथियार रखता है। वह भाड़ावास गांव में शराब ठेके पास गाड़ी लेकर खड़ा हुआ है। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंच गई। वहां मौजूद कार में बैठे व्यक्ति से पूछताछ की तो उसने अपना नाम जैतड़ावास निवासी रविंद्र बताया। पुलिस ने उसकी गाड़ी की तलाशी ली, तो उससे एक देशी कट्टा व तलवार बरामद हुई। पुलिस ने आरोपी को हथियार व कार सहित मौके पर ही काबू कर लिया। आरोपी के खिलाफ केस दर्ज करने के बाद पूछताछ शुरू कर दी।

रेवाड़ी। पुलिस गिरफ्त में आरोपी रविन्द्र। फोटो :हरिभूमि

अवैध अहातों में शराब पिलाते दो आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

■ उनके खिलाफ एक्साइज एक्ट के तहत केस दर्ज किया

पुलिस ने बिना परमिट अवैध अहातों में शराब पिलाने के आरोप में दो दुकानदारों को गिरफ्तार किया है। उनके खिलाफ एक्साइज एक्ट के तहत केस दर्ज किए गए हैं। मॉडल टाउन थाना पुलिस को सूचना मिली थी कि अंबेडकर चौक के पास छावड़ी जूस कार्नर का मालिक कृष्णा नगर निवासी ईश्वर सिंह दुकान में लोगों को अवैध रूप से शराब पिलाता है। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची तो वहां एक व्यक्ति बैठकर शराब पी रहा था, जबकि ईश्वर उसे शराब के साथ यूज किया जाने वाला सामान परोस रहा था। पुलिस ने उससे अहाता चलाने का परमिट दिखाने को कहा, तो उसने परमिट होने से मना कर दिया। पुलिस ने आरोपी को मौके पर ही काबू करने के बाद उसके खिलाफ केस दर्ज कर लिया। एक अन्य मामले में पुलिस को सूचना मिली थी कि करनावास में शराब ठेके के पास खोखे में अवैध रूप से शराब पिलाने की सूचना पुलिस को मिली थी। पुलिस मौके पर पहुंची तो दुकानदार हसार के खैरी निवासी मंजीत वहां बैठे लोगों को शराब के साथ सेवन किया जाने वाला सामान मुहैया करा रहा था। पुलिस पूछताछ में उसने अहाते का लाइसेंस होने से मना कर दिया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार करने के बाद उसके खिलाफ केस दर्ज कर लिया।

नाबालिग से दुष्कर्म का आरोपी चढ़ा पुलिस के हत्थे

रेवाड़ी। सिटी पुलिस ने नाबालिग की अश्लील फोटो खींचकर ब्लैकमेल करने व दुष्कर्म करने के मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। उसे कोर्ट में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत के तहत जेल भेज दिया गया।

शहर की एक युवती ने अपनी अपनी शिकायत में बताया था कि उसके पास गत वर्ष जनवरी माह में इंस्टाग्राम पर नमन श्रीवास्तव की फ्रेंड रिक्वेस्ट आई थी। पूछताछ करने पर उसने खुद को युवती की एक दोस्त का परिचित बताया। इस पर युवती ने रिक्वेस्ट स्वीकार कर ली और दोनों के बीच बातचीत शुरू हो गई। इसके बाद गत वर्ष 7 फरवरी को युवक ने युवती को शहर स्थित एक कैफे में मिलने बुलाया। युवक ने उसे बहकाकर अश्लील फोटो खींची और उसके कई बार कहने पर भी डिलीट नहीं की। जो इन्हीं फोटो को वायरल करने की धमकी देकर युवक ने युवती को ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया और जबरन शारीरिक संबंध बनाए। विरोध करने पर उसने धमकाया कि यदि उसकी बात नहीं मानी तो तस्वीरें सार्वजनिक कर देगा। युवती ने बताया की आरोपी ने कई बार रास्ते में रोककर व घर पर आकर मारपीट कर दबाव बनाया। जिस पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ थाना शहर रेवाड़ी में पोक्सो एक्ट सहित विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज करके जांच शुरू की थी। जांच के बाद पुलिस ने आरोपी नमन श्रीवास्तव को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने शनिवार को आरोपी को कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे जेल भेजने के आदेश दिए गए।

शहर में औसत 10 एमएम बरसात से जलभराव, दो-तीन दिन तक हो सकती है बारिश

दोपहर तक गर्मी ने छुड़ाए पसीने, शाम को बारिश से राहत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

लगभग दस दिनों से उमस भरी गर्मी का सामना कर रहे लोगों को बारिश ने एक बार फिर राहत दिलाई है। बारिश के मौसम सुहाना होने से गर्मी से कुछ हद तक राहत मिल गई है। पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता के चलते अगले दो-तीनों दिनों तक रुक-रुककर बारिश हो सकती है। इससे तापमान में गिरावट देखने को मिलेगी।

शनिवार को सुबह के समय आसमान साफ रहा। तेज धूप निकलने के बाद उमस भरी गर्मी ने दोपहर तक लोगों को बेहाल कर दिया। हवा में नमी के कारण धूप निकलते ही उमस बढ़ गई, जिससे लोग पसीना-पसीना होने लगे। अधिकतम तापमान 0.1 डिग्री की मामूली वृद्धि के साथ 34.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। न्यूनतम तापमान 0.3 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि के साथ 22.5 डिग्री पर पहुंच गया। हवा में नमी का स्तर 85 प्रतिशत से ज्याद रहा, जबकि हवा की रफ्तार 10 किमी प्रति घंटा रही। दोपहर बाद मौसम ने अचानक यू-टन लिया। आसमान में गहरे बादलों के बीच झमाझम बारिश शुरू हो गई। शहर में शाम तक औसत 10 एमएम बारिश का अनुमान लगाया गया, जबकि जिले के दूसरे भागों में ज्यादा बारिश भी हुई।

मध्यम बारिश के मौसम का मिजाज ठंडा पड़ गया, जिससे लोगों को उमस भरी भारी गर्मी से काफी हद तक राहत मिल गई। शाम के समय मौसम सुहाना हो गया। मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले दो-तीन दिनों तक रुक-रुककर हल्की से मध्यम बरसात हो सकती है। कुछ इलाकों में भारी बारिश भी हो सकती है। इससे तापमान में आने वाले दिनों में गिरावट दर्ज की जा सकती है।

रेवाड़ी। शनिवार का आई बरसात से हाइवे पर जमा पानी। फोटो :हरिभूमि

शहर में जलभराव से हुई परेशानी

शाम के समय बरसात के बाद शहर के निचले इलाकों में जलभराव से लोगों को एक बार फिर परेशानी का सामना करना पड़ा। हालांकि बरसात थमने के बाद पानी की निकासी भी जल्द हो गई, परंतु टूटी सड़को के गड्ढों में एकत्रित बारिश का पानी दुपहिया वाहन चालकों और पैदल राहगीरों के लिए आफत बना रहा। अगर ज्यादा बारिश होती है, तो इससे शहर के लोगों को जलभराव की समस्या का सामना करना पड़ेगा।

फसलों को नुकसान की आशंका बनी

खरीफ की प्रमुख फसलों बाजरा और कपास के लिए अभी तक मौसम अनुकूल रहा है। बाजरे की अगेती फसल पकाव के बाद कटाई के लिए तैयार हो रही है। इससे फसल के सिरे का वजन बढ़ रहा है। अगर तेज हवाओं के साथ बारिश होती है, तो इससे फसल जमीन पर गिर जाएगी। फसल गिरने से उत्पादन प्रभावित होगा, जिससे किसानों को नुकसान उठाना पड़ेगा। किसान मौसम साफ होने की कामना करने लगे हैं।

इक्विटी फंड ने 5 साल में 4 गुना दिया निवेशकों को मुनाफा

- ऐसे करीब दस फंडों को मिली 4 से 5 स्टार की ऊंची रेटिंग
- निवेशकों ने भी जमकर लगाए पैसे और बन गए करोड़पति
- एसआईपी पर भी 24 से 30% तक का एन्युलाइज्ड रिटर्न दिया
- 5 साल में लंपसम निवेश पर 26 से 37 फीसदी तक रिटर्न दिया

इक्विटी फंड एक प्रकार का म्यूचुअल फंड है जो मुख्य रूप से शेयर बाजार में निवेश करता है। इसका उद्देश्य निवेशकों को शेयर बाजार में निवेश करने का अवसर प्रदान करना है, जिससे वे अपने निवेश पर अच्छा रिटर्न प्राप्त कर सकें।

इक्विटी फंड के प्रकार

- 1. लार्ज-कैप फंड : ये फंड बड़े कैप शेयरों में निवेश करते हैं, जो आमतौर पर अच्छी तरह से स्थापित कंपनियों के शेयर होते हैं।
- 2. मिड-कैप फंड : ये फंड मध्यम आकार की कंपनियों के शेयरों में निवेश करते हैं, जो आमतौर पर तेजी से बढ़ने वाली कंपनियां होती हैं।
- 3. स्मॉल-कैप फंड : ये फंड छोटी कंपनियों के शेयरों में निवेश करते हैं, जो आमतौर पर उच्च जोखिम और उच्च रिटर्न की संभावना के साथ आते हैं।
- 4. सेक्टोरल फंड : ये फंड विशिष्ट क्षेत्रों या उद्योगों में निवेश करते हैं, जैसे कि टेक्नोलॉजी, फार्मास्यूटिकल्स, या ऑटोमोबाइल।

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

म्यूचुअल फंड्स को लॉन्ग टर्म यानी लंबी अवधि में वेल्थ क्रिएशन के लिए जाना जाता है। इक्विटी फंड्स में इस लॉन्ग टर्म का मतलब कम से कम 3 साल कहा जाता है, लेकिन आमतौर पर 5 साल या उससे ज्यादा समय में और भी बेहतर नतीजे मिलते हैं। हम यहां ऐसे ही टॉप 10 इक्विटी फंड्स की जानकारी दे रहे हैं, जिन्होंने पिछले 5 साल में निवेशकों की पूंजी को कम से कम 4 गुना या उससे भी ज्यादा कर दिया है। इन सभी फंड्स ने सिस्टमैटिक इनवेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) पर भी 24 से 30% तक का एन्युलाइज्ड रिटर्न दिया है। खास बात यह है कि इन 10 में से 6 फंड्स की रेटिंग 5 स्टार और चार की रेटिंग 4 स्टार है। वहीं, निवेशकों ने भी इन फंडों में जमकर निवेश किया और अपनी रकम बढ़ाई। जिन टॉप 10 इक्विटी फंड्स ने पिछले 5 साल में लंपसम निवेश पर सबसे ज्यादा रिटर्न दिया है, उनमें सबसे ज्यादा 5 स्मॉल कैप फंड हैं। इनके अलावा इस लिस्ट में 4 इंफ्रास्ट्रक्चर फंड और एक मिडकैप फंड भी शामिल हैं। इन फंडों ने निवेशकों को मालामाल कर दिया। इस रिपोर्ट में हम आपको ऐसे की कुछ फंडों के बारे में जिन्होंने निवेशकों को अच्छा रिटर्न दिया।

क्वांट स्मॉल कैप फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर) : 37.23%
- 1 लाख के निवेश की 5 साल में फंड वैल्यू : 4,86,659 रुपये
- एसआईपी पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 26.09%
- रेटिंग : 4 स्टार

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल इंफ्रास्ट्रक्चर फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 35.66%
- 1 लाख के निवेश की 5 साल में फंड वैल्यू : 4,59,555 रुपये
- एसआईपी पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 30.03%
- रेटिंग : 5 स्टार

मोतीलाल ओसवाल मिडकैप फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 35.14%
- 1 लाख के निवेश की 5 साल में फंड वैल्यू : 4,50,791 रुपये
- एसआईपी पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 30.32%
- रेटिंग : 5 स्टार

निप्पॉन इंडिया स्मॉल कैप फंड-डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 34.53%
- 1 लाख के निवेश की 5 साल में फंड वैल्यू : 4,40,573 रुपये
- एसआईपी पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 25.48%
- रेटिंग : 5 स्टार

फ्रैंकलिन बिल्ड इंडिया फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 33.67%
- 1 लाख के निवेश की 5 साल में फंड वैल्यू : 4,26,807 रुपये
- एसआईपी पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 27.91%
- रेटिंग : 5 स्टार

बंधन स्मॉल कैप फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 33.46%
- 1 लाख के निवेश की 5 साल में फंड वैल्यू : 4,23,390 रुपये
- एसआईपी पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 28.80%
- रेटिंग : 5 स्टार

इनवेस्को इंडिया स्मॉल कैप फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 33.31%
- 1 लाख के निवेश की 5 साल में फंड वैल्यू : 4,20,955 रुपये
- एसआईपी पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 27.03%
- रेटिंग : 5 स्टार

एलआईसी इंफ्रास्ट्रक्चर फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 32.58%
- 1 लाख रुपये के निवेश की 5 साल में फंड वैल्यू : 4,09,697 रुपये
- एसआईपी पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 28.17%
- रेटिंग : 4 स्टार

टाटा स्मॉल कैप फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 32.40%
- 1 लाख के निवेश की 5 साल में फंड वैल्यू : 4,06,893 रुपये
- एसआईपी पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 24.21%
- रेटिंग : 4 स्टार

कैनरा रोबेको इंफ्रास्ट्रक्चर फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 32.40 %
- 1 लाख के निवेश की 5 साल में फंड वैल्यू : 4,06,846 रुपये
- एसआईपी पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 27.94%
- रेटिंग : 4 स्टार

हाई रिटर्न के साथ जुड़ा हाईरिस्क

ऊपर जिन टॉप 10 इक्विटी फंड्स का डिटेल दिया गया है, उन सभी में हाई रेटिंग और हाई रिटर्न के साथ ही साथ वेरी हाई रिस्क भी जुड़ा हुआ है। यही वजह है कि इनमें निवेश से जुड़ा कोई भी फैसला करने से पहले अपनी जोखिम बर्दाश्त करने की क्षमता को जरूर परख लेना चाहिए। निवेशकों को हमेशा ध्यान रखना चाहिए कि म्यूचुअल फंड्स में पिछले रिटर्न के आगे भी जारी रहने की कोई गारंटी नहीं होती। इसलिए निवेश करने से पहले अपनी क्षमता और लक्ष्य तय कर लें। इसके बाद ही निवेश करें। इससे निवेशकों को परेशानी नहीं होगी और आसानी से अपने पैसे को बढ़ा सकेंगे।

दूसरों को देखकर नहीं चलें, सही आदतें आपको बनाएंगी धनवान

- आपकी एक छोटी सी आदत भविष्य को बचाने में सक्षम
- अनावश्यक खर्च पर रोक लगाएं, सही जगह निवेश करें
- बजट बनाएं, इसके लिए 50/30/20 का नियम फॉलो करें

जानकारी
बिजनेस डेस्क

आज के समय में हर कोई फाइनेंशियली मजबूत और सुरक्षित बनना चाहता है। लेकिन इसके लिए केवल पैसे बचाना ही काफी नहीं है, बल्कि सही आदतें अपनाकर अनुशासित वित्तीय जीवन जीना जरूरी है। ऐसी आदतें आपके भविष्य को आर्थिक रूप से सुरक्षित बनाने में सक्षम हैं। आज के इस दौर में फाइनेंशियल रूप से मजबूत और सेफ महसूस करना हर किसी की चाहत होती है। इसके लिए फाइनेंशियल रिस्पांसिबिलिटी को समझना और उसको निभाना बहुत जरूरी होता है। यह केवल पैसे बचाने या खर्च करने तक सीमित नहीं होता है, बल्कि यह एक सोच है जो आपको एक अनुशासित और आरामदायक जीवन जीने में मदद करती है। तो समझेंगे फाइनेंशियल रूप से मजबूत बनने के लिए किन बातों का ध्यान रखें। बाजार में जाएं तो ऑफर और दूसरों लोगों को देखकर ललचाएं नहीं, बल्की अपने बजट के हिसाब से ही खरीदारी करें। इससे आप अपने अनावश्यक खर्च पर रोक लगा सकते हैं। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे ऐसी की कुछ खास आदतें जो आपको आर्थिक रूप से मजबूत बनाएंगी।

इमरजेंसी फंड को बनाना

लाइफ में कभी भी बिन बुलाए वाली घटनाएं हो सकती हैं, जैसे नौकरी छूटना, अचानक कोई बीमारी आ जाना या घर में कोई बड़ी मरम्मत का काम निकलना आदि। तो ऐसे में, अगर आपके पास एक इमरजेंसी फंड होगा, तो आपको किसी से उधार या फिर लोन लेने या अपनी बचत को हाथ लगाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। यह फंड आपके 3 से 6 महीने के मासिक खर्चों के बराबर का होना ही चाहिए।

बजट बनाना और उसका पालन करना

बजट बनाना फाइनेंशियल रिस्पांसिबिलिटी का सबसे अहम कदम माना जाता है.तो इसका मतलब ये है अपनी इनकम और खर्च पर नजर रखना. आप कहां से कमा रहे हैं और कहां खर्च कर रहे हैं, यह जानना बहुत जरूरी होता है। इसके लिए एक फेमस रूल है 50/30/20 का नियम- 50% इनकम आपकी जरूरतों पर खर्च हो, जैसे किराया, बिजली, और भोजन आदि।

सोच-समझकर इन्वेस्टमेंट करें

केवल पैसे बचाना ही काफी नहीं होता है, इस पैसे को सही जगह पर निवेश करना भी जरूरी होता है, ताकि आपका पैसा बढ़ सके। असल में इन्वेस्टमेंट के कई ऑप्शन होते हैं, जैसे स्टॉक मार्केट, म्यूचुअल फंड, या फिक्स्ड डिपॉजिट. तो अपनी रिस्क क्षमता और अपने टारगेट के आधार पर निवेश करना चाहिए। लॉन्ग टर्म के निवेश आपके बड़े लक्ष्यों, जैसे घर खरीदना या बच्चों की शिक्षा, को पूरा करने में मदद कर सकते हैं। इसलिए जो पैसा बचाएं उसे सही जगह पर निवेश करें जो समय के हिसाब से महंगाई को मात देने में सक्षम हो।

बीमा करवाएं, महत्व समझें

हेल्थ इंश्योरेंस : यह आपको मेडिकल इमरजेंसी में फाइनेंशियल संकट से बचाता है। हमेशा एक अच्छी स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी होने से आप अपनी बचत पर अनावश्यक बोझ से बच जाते हैं।

टर्म लाइफ इंश्योरेंस : तो अगर आपके परिवार में आप ही एकमात्र कमाने वाले हैं, तो यह बीमा आपकी अनुपस्थिति में आपके परिवार को फाइनेंशियल हेल्प देने का काम करता है।

दूसरों की देखा-देखी खर्च नहीं करें

अक्सर हम अपने दोस्तों या पड़ोसियों को देखकर फालतू के एस्ट्रा पैसे खर्च करने लगते हैं। इसको लाइफस्टाइल इन्फ्लेशन कहा जाता है। फाइनेंशियल रिस्पांसिबिलिटी का मतलब है अपनी जरूरतों और क्षमताओं के अनुसार जीना, ना कि दूसरों को इंप्रेस करने के लिए खर्च करना। आपकी आर्थिक स्थिति और लक्ष्य आपके लिए सबसे जरूरी होने चाहिए।

अपने फाइनेंशियल टारगेट को समझना

आपके फाइनेंशियल टारगेट साफ होने चाहिए। चाहे वह रिटायरमेंट के लिए बचत करना हो,या एक नई कार खरीदना हो या कर्ज चुकाना हो, हर टारगेट के लिए एक टाइम लिमिट और एक प्लानिंग होनी चाहिए. अपने टारगेट को छोटे, मध्यम और लंबी अवधि में बांटें। फाइनेंशियल रिस्पांसिबिलिटी का मतलब है कि अपने पैसे को सही तरह से प्लान करें। यह आपको ना केवल वर्तमान में बल्कि फ्यूचर में भी एक सेफ और स्थिर लाइफ जीने का अवसर देता है।

बिजनेस शुरू करने के लिए ऐसे बनाएं 'परफेक्ट' बजट, नहीं होगा नुकसान

- बिजनेस शुरू करने से पहले एक मजबूत बजट बनाना बेहद जरूरी
- सही प्लानिंग से खर्चों पर नियंत्रण, मुनाफे की योजना बनाएं
- फ्यूचर के लिए क्लियर रोडमैप तैयार करें, इसके बाद बिजनेस शुरू करें

तैयारी
बिजनेस डेस्क

अगर आप भी अपना कोई बिजनेस शुरू करना चाहते हैं तो कुछ नियम फॉलो करें। इससे आपका बिजनेस आगे बढ़ेगा अब नुकसान होगा। बिजनेस शुरू करने के लिए सबसे पहले 'परफेक्ट' बजट बनाएं। इसके बाद उस पर अमल करें। असल में किसी भी बिजनेस के लिए एक मजबूत बजट बनाना उसकी सफलता के लिए बेहद जरूरी होता है। बजट सिर्फ खर्चों को ट्रैक करने के बारे में नहीं है, बल्कि फ्यूचर के लिए एक साफ फाइनेंशियल रोडमैप तैयार करने के बारे में भी होता है। इस रिपोर्ट में आपको ऐसे ही टिप्स बताएंगे जो आपके बिजनेस के लिए बेहतर होंगे। यदि आप इनका पालन करेंगे तो कारोबार में नुकसान होगा और आपकी पूंजी बढ़ेगी। सही प्लानिंग से खर्चों पर नियंत्रण, मुनाफे की योजना और फ्यूचर के लिए क्लियर रोडमैप तैयार किया जा सकता।

रेवेन्यू का विश्लेषण करें

सबसे पहले, आपको अपनी सभी रेवेन्यू स्ट्रीम को पहचानना होगा। आप कम से कम पिछले 12 महीनों के डेटा का विश्लेषण जरूर करें। आप यह देखें कि आपके बिजनेस की मासिक इनकम में कैसे उतार-चढ़ाव आते हैं और क्या कोई सीजनल पैटर्न इसमें काम आया है। यह उदाहरण के लिए, अगर छुट्टियों के मौसम में आय बढ़ सकती है, बकि गर्मियों में कम हो सकती है। इसको समझकर ही आप आने वाले महीनों के लिए आय का अनुमान लगा सकते हैं।

निश्चित लागत घटाएं

इनकम का अनुमान लगाने के बाद, अपने फिक्स कॉस्ट को घटाना चाहिए। ये वो खर्चे हैं जो आपके बिजनेस की एक्टिविटी से नहीं बदलते, जैसे किराया, कर्मचारियों का वेतन, बीमा और संपत्ति लोन। ये खर्चे हर महीने या साल लगभग एक जैसे रहते हैं, इसलिए इन्हें आसानी से घटाया जा सकता है। बजट बनाते समय गैर-जरूरी और बदलने वाले खर्चों को घटाएं। ये खर्चे आपके बिजनेस की गतिविधि के साथ बदलते रहते हैं। तो जैसे-जैसे उत्पादन या बिक्री बढ़ती है, ये खर्चे भी बढ़ने लगते हैं। इनमें कच्चे माल की लागत, घंटे के हिसाब से काम करने वाले कर्मचारियों की मजदूरी आदि शामिल हैं। आप चाहें तो पिछले डेटा का उपयोग करके भी इनका अनुमान लगा सकते हैं।

आपात स्थिति के लिए फंड

बजट बनाते समय, अप्रत्याशित खर्चों के लिए हमेशा कुछ पैसा अलग रखना जरूरी होता है। इसे कंटिजेंसी फंड या इमरजेंसी फंड भी कहते हैं। यह राशि तब काम आती है जब बिजनेस में यूज होने वाला कोई जरूरी चीज अचानक खराब हो जाए या कोई और अप्रत्याशित खर्च आ जाए. ऐसे में एक्सट्रा इमकम को तुरंत खर्च करने की जगह, इस फंड में जमा करना बेस्ट होगा।

अपने बेनेफिट्स को समझें

बजट बनाते समय आप कुल अनुमानित आय से सभी तय और बदलते खर्च घटाएं। ऐसे में बची हुई राशि आपका शुद्ध लाभ है। अगर यह धनात्मक है तो मुनाफा, और अगर ऋणात्मक है तो घाटा। इस आंकड़े की तुलना पुराने बेनेफिट्स से करें, ताकि पता चल सके कि अनुमान सही है या फिर नहीं। ऐसा करके आप काम शुरू करेंगे तो आपको कभी भी नुकसान का सामना नहीं करना पड़ेगा। आपका कारोबार दिन दूनी और रात चौगुनी गति से बढ़ेगा। बिजनेस में आपका भविष्य सुरक्षित रहेगा। काम शुरू करने से पहले एक बार अपने प्रोडक्ट का भी देखें और उसका रिव्यू करते रहे।

बजट का रिव्यू करें

बजट कोई फिक्स डाक्यूमेंट्स नहीं होता है। इसका हर मंथ या तिमाही में रिव्यू करना और जरूरत के अनुसार एडजस्ट करना जरूरी है। जब आपकी इनकम बढ़ती है या खर्चे बदलते हैं, तो आपको अपने बजट में भी चेंज करना होगा। अपने सही प्रदर्शन की तुलना अपने बजट से करें और फिर देखें और समझें कि आप कहां पर अच्छा कर रहे हैं और कहां सुधार की जरूरत फिलहाल है। नियमित रिव्यू करने से आप अपने फाइनेंशियल टारगेट को ट्रैक पर रख सकते हैं।

मुनाफे की निगरानी व समीक्षा

अपने मुनाफे की निगरानी करें और आवश्यकतानुसार बदलाव करें। अपने मुनाफे की समीक्षा करें और यह सुनिश्चित करें कि वे आपके वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद कर रहे हैं। अपने व्यवसाय के वित्तीय पहलुओं का प्रबंधन करें, जैसे कि आय, व्यय, और मुनाफा। अपने व्यवसाय के नकदी प्रवाह का प्रबंधन करें, जैसे कि आय और व्यय का समय पर प्रबंधन।

बाजार अनुसंधान व विश्लेषण

अपने उत्पाद या सेवा के लिए बाजार की मांग और प्रतिस्पर्धा का विश्लेषण करें। अपने ग्राहकों की जरूरतों और पसंदों का विश्लेषण करें। अपने वित्तीय लक्ष्यों और बाजार अनुसंधान के आधार पर व्यवसाय योजना का निर्माण करें। मुनाफे की रणनीति तैयार करें, जैसे कि मूल्य निर्धारण, विपणन, और बिक्री।

अलर्ट 25, 30 और 35 की उम्र वाले एसआईपी के लिए प्लानिंग करें, अगर निवेश में देरी करते हैं तो लक्ष्य हासिल करना मुश्किल होगा

निवेश शुरू करने में जितनी जल्दी करेंगे, लक्ष्य उतनी ही जल्दी मिलेगा, अपने टारगेट को हासिल करने के लिए उम्र के हिसाब से निवेश बढ़ाना होगा

रिटायरमेंट पर चाहिए 10 करोड़ तो उम्र के हिसाब से करें प्लानिंग, भविष्य होगा सुरक्षित

समझदारी
बिजनेस डेस्क

अगर आप 25 साल के हैं और आपसे पूछा जाए कि आपको रिटायरमेंट के समय कितना फंड चाहिए। आज से 35 साल बाद और महंगाई को देखते हुए रिटायरमेंट पर 10 करोड़ फंड आपकी नॉन वर्किंग लाइफ को आसान बना सकते हैं। यही 10 करोड़ का फंड हासिल करने के लिए अगर आप तुरंत सही से प्लानिंग करें तो यह आसान होगा, लेकिन जैसे जैसे देरी करते जाएंगे, यह फंड उतना ही दूर होता जाएगा। इसलिए अपने भविष्य को सुरक्षित करने के लिए समय से प्लानिंग करें। आप जितनी जल्दी निवेश शुरू करेंगे उतनी जल्दी ही करोड़पति बनेंगे। बस आपको अपना लक्ष्य और रिस्क क्षमता को देखकर निवेश करना होगा। रिटायरमेंट पर दस करोड़ का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं तो आज आपकी जो उम्र है उसके हिसाब से प्लानिंग करें। तभी यह लक्ष्य हासिल कर पाएंगे। 25, 30 और 35 की उम्र वाले एसआईपी के लिए बेहतर प्लानिंग कर सकते हैं। इससे आपका भविष्य सुरक्षित होगा और बच्चों के खर्चों में भी दिक्कत नहीं होगी।

निवेश में देरी लक्ष्य को बनाएगा मुश्किल

अगर हम निवेश में देरी करते हैं तो लक्ष्य हासिल करना मुश्किल होता जाता है. अगर आप रिटायरमेंट (60 साल) पर 10 करोड़ रुपये का लक्ष्य (**Retirement Corpus**) ध्यान में रखकर निवेश करते हैं और अनुमानित रिटर्न 12 फीसदी सालाना मानते हैं तो 20 साल के निवेशक जहां हर महीने 8,500 रुपये एसआईपी करनी होगी, वहीं 30 साल वालों को करीब 28,500 रुपये. अगर 40 की उम्र में आ गए तो इस लक्ष्य को पाने के लिए हर महीने 1,00,000 रुपये निवेश करना होगा. इसलिए निवेश जितना जल्दी हो सके, शुरू करें।

20 की उम्र में निवेश ऐसे करें
- मंथली एसआईपी : 8500 रुपये
- एनुअल रिटर्न: 12%
- इयूरेशन : 40 साल
- 40 साल बाद एसआईपी की वैल्यू : 10,10,00,572 रुपये (करीब 10 करोड़ रुपये)
- 40 साल में कुल निवेश : 40,80,000 रुपये (करीब 41 लाख रुपये)

25 की उम्र में निवेश
- मंथली एसआईपी : 15,500 रुपये
- एनुअल रिटर्न: 12 फीसदी
- इयूरेशन : 35 साल
- 35 साल बाद एसआईपी की वैल्यू : 10,06,76,671 रुपये (करीब 10 करोड़ रुपये)
- 35 साल में कुल निवेश : 65,10,000 रुपये (करीब 65 लाख रुपये)

30 की उम्र में निवेश
- मंथली एसआईपी : 28500 रुपये
- एनुअल रिटर्न: 12 फीसदी
- इयूरेशन : 30 साल
- 30 साल बाद एसआईपी की वैल्यू : 10,06,02,543 रुपये (करीब 10 करोड़ रुपये)
- 30 साल में कुल निवेश : 1,02,60,000 रुपये (करीब 1 करोड़ रुपये)

35 की उम्र में निवेश
- मंथली एसआईपी : 53,000 रुपये
- एनुअल रिटर्न: 12 फीसदी
- इयूरेशन : 25 साल
- 25 साल बाद एसआईपी की वैल्यू : 10,05,74,660 रुपये (करीब 10.06 करोड़ रुपये)
- 25 साल में कुल निवेश : 1,59,00,000 रुपये (करीब 1.59 करोड़ रुपये)

40 की उम्र में निवेश
- मंथली एसआईपी : 1,00,000 रुपये
- एनुअल रिटर्न: 12% ● इयूरेशन : 20 साल
- 20 साल बाद एसआईपी की वैल्यू : 9,99,14,792 रुपये (करीब 10 करोड़ रुपये)
- 20 साल में कुल निवेश : 2,40,00,000 रुपये (करीब 2.40 करोड़ रुपये)

लम्प सम : 100 गुना रिटर्न

एक रिपोर्ट के अनुसार अगर आप 20 की उम्र में 1 लाख रुपये लम्प सम निवेश करते हैं और उस पर 12 फीसदी सालाना रिटर्न मिले तो 60 की उम्र तक आपकी दौलत बढ़कर 93 लाख रुपये हो जाएगी। लेकिन अगर आपने यह निवेश 25 साल की उम्र में किया होता, तो आपके निवेश की वैल्यू 53 लाख रुपये होगी। अगर आपने 30 साल की उम्र में यही निवेश किया होता तो 60 की उम्र में वैल्यू 29 लाख रुपये होगी। और अगर आपने 40 साल की उम्र में यही निवेश किया होता तो 60 की उम्र में वैल्यू सिर्फ 9 लाख रुपये होगी। यानी, जितनी देर से शुरुआत करेंगे, फायदा उतना ही कम होगा। इसलिए बेहतर है कि निवेश की शुरूआत जितना जल्दी हो, उतना जल्दी करें। एसआईपी कैलकुलेशन में भी आपने देखा होगी कि देर से निवेश करने पर लक्ष्य हासिल करने के लिए अर्ली इन्वेस्टर्स की तुलना में कई गुना अमाउंट निवेश करना पड़ता है।

खबर संक्षेप

सुरेश कुमार बने समिति के निर्विरोध प्रधान

कोसली। गांव कोसली में श्रीनाथ सनातन समिति की बैठक का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता संत रूपनाथ ने की। इस अवसर पर सुरेश कुमार को श्रीनाथ सनातन समिति का निर्विरोध प्रधान, दलबीर को महासचिव व बसंत कुमार को खजांची चुना गया। संत रूपनाथ ने सुरेश कुमार को प्रधान पद की शपथ दिलाई। नव नियुक्त प्रधान सुरेश कुमार ने कहा कि वह समिति की उम्मीदों पर खरा उतरेंगे और सनातन धर्म के हित में काम करेंगे। इस अवसर पर प्रवीण पंघाल, कपिल, विक्की, दिक्षु, अमन व जसबीर व अन्य सदस्य मौजूद थे।

बिरेन बने भाजपा लीगल सेल के जिला अध्यक्ष

रेवाड़ी। भारतीय जनता पार्टी की जिला अध्यक्ष डा. वंदना पोपली ने एडवोकेट बिरेन यादव को जिले के लीगल सेल का अध्यक्ष नियुक्त किया है। बिरेन यादव की नियुक्ति पर पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने उन्हें बधाई दी। पूर्व जिला अध्यक्ष एवं पंचायती राज प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक हुकुमचंद यादव, महिला मोर्चा की प्रदेश उपाध्यक्ष नीतू चौधरी, जिला उपाध्यक्ष प्रवीण शर्मा, सुमन चौहान, जिला प्रवक्ता एडवोकेट नितेश अग्रवाल, सहित शीर्ष नेतृत्व का आभार जताया है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विद्यालय प्राचार्य कैप्टन ब्रिज किशोर रहे

अंतरसदनीय हिंदी वक्तृत्व कला स्पर्धा में परेरा सदन बना विजेता

भाषण से सार्वजनिक भाषण में महारत हासिल करने से न केवल व्यक्ति के संचार कौशल में सुधार होता है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। विजेता कैडेट्स को सम्मानित करते प्राचार्य व शिक्षक। *फोटो : हरिभूमि*

गोठड़ा स्थित सैनिक स्कूल में सह-शैक्षिक गतिविधियों के अंतर्गत अंतरसदनीय हिंदी वक्तृत्व कला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में वरिष्ठ वर्ग कक्षा 9 से 12 व कनिष्ठ वर्ग कक्षा 7 से 8 के कैडेट्स ने भाग लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विद्यालय प्राचार्य कैप्टन ब्रिज किशोर ने शिरकत की तथा प्रशासनिक अधिकारी मेजर जय सिंह राठौड़, उप प्राचार्या स्क्वाड्रन लीडर वंदना चौधरी व वरिष्ठ अध्यापक गजेन्द्र सिंह चौहान भी मौजूद थे। प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका कवि एवं साहित्यकार त्रिलोकचंद फतेहपुरी, नेमीचंद शांडिल्य व दलबीर फूल ने निभाई। प्रतियोगिता में कनिष्ठ व वरिष्ठ वर्ग के लिए हिंदी वक्तृत्व के अलग-अलग बारह विषयों मेंऑपरेशन शील्ड-सुरक्षित भारत की नई रणनीति, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020-बदलता भारत, बदलती शिक्षा, सशक्त भारत के निर्माण में नैतिक शिक्षा की अनिवार्यता, अंतरिक्ष में भारत, डिजिटल युग में साहित्य की भूमिका, जीवन शैली में पर्यावरणीय जागरुकता,वसुधैव कुटुंबकम भारतीय-संस्कृति का शाश्वत सिद्धांत, ड्रोन तकनीक और आधुनिक युद्ध प्रणाली, विद्यालयी अनुशासन से राष्ट्र सेवा तक कैडेट्स का नेतृत्व पथ, नारी सशक्तिकरण-विचार से व्यवहार तक, राष्ट्रीय एकता में भाषाओं की भूमिका व समाज के नवनिर्माण में साहित्य की भूमिका पर 24 प्रतिभागियों ने अपने-अपने उद्गार रखे।

। भाषण के माध्यम से सार्वजनिक भाषण में महारत हासिल करने से न केवल व्यक्ति के संचार कौशल में सुधार होता है, बल्कि आत्म-सम्मान और नेतृत्व क्षमता का भी विकास होता है। चाहे आपका उद्देश्य किसी को प्रभावित करना हो, जानकारी देना हो या मनोरंजन करना हो, भाषण में उत्कृष्टता आपके व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन पर गहरा प्रभाव डाल सकती है।

प्रतियोगिता के विजेता

प्रतियोगिता के वरिष्ठ वर्ग में कैडेट बृजमोहन कक्षा दसवीं अर्जन सदन ने प्रथम, कैडेट जतिन कक्षा दसवीं परेरा सदन ने द्वितीय व कैडेट हर्ष दायमा कक्षा ग्यारहवीं परेरा सदन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया,वहीं कनिष्ठ वर्ग में कैडेट दमन कक्षा आठवीं कटारी सदन ने प्रथम, कैडेट देवराज कक्षा आठवीं परेरा सदन ने द्वितीय तथा कैडेट युवराज कक्षा सातवीं परेरा सदन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वरिष्ठ व कनिष्ठ वर्ग में प्रतिभागियों के संयुक्त परिणाम के आधार पर परेरा सदन विजेता व कटारी सदन उपविजेता रहा, जबकि अर्जन सदन तृतीय स्थान पर रहा। प्राचार्य ने विजेता कैडेट्स को पुस्तकें व प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि हिंदी प्रेम,स्नेह व ममत्व की भाषा है। कैडेट्स इसमें सहजता से विचार प्रकट कर अपनी अभिव्यक्ति कर सकते हैं। प्रतियोगिताएं प्रतिभागियों को आत्मविश्वास, स्पष्टता और दर्शकों को आकर्षित करने की क्षमता विकसित करने में मदद करती हैं

बच्चों का बढ़ाया उत्साह

इस तरह की प्रतियोगिताएं छात्रों में आत्मविश्वास पैदा करने और विभिन्न संचार कौशल को विकसित का अद्भुत तरीका हैं। उन्होंने प्रतियोगिता के आयोजन के लिए प्रभारी अध्यापकों, सदनाध्यक्षों, छात्र प्रभारी कैडेट दीपक कुमार द्विवेदी व सभी अकादमिक-प्रशासनिक कर्मियों का उत्साहवर्धन किया। मंच संचालन कैडेट उद्भव व कैडेट सक्षम गुप्ता ने किया।

आईएमए ने बकाया भुगतान का लेकर सौंपा ज्ञापन

रेवाड़ी। सरकार के नाम ज्ञापन सौंपते हुए आईएमए के पदाधिकारी। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की ओर से शनिवार को जिला अध्यक्ष डा. दीपक शर्मा के नेतृत्व में सरकार के नाम विधायक लक्ष्मण सिंह यादव के पुत्र निशांत यादव को ज्ञापन सौंपा गया।

ज्ञापन में आईएमए ने हरियाणा में आयुष्मान भारत पीएमजेएवाई योजना के अंतर्गत चल रहे संकट पर त्वरित हस्तक्षेप की मांग की। आईएमए के जिलाध्यक्ष ने कहा कि जिले के सभी एम्पैनल्ड अस्पताल 7 अगस्त की मध्यरात्रि से 17 दिन से हड़ताल पर हैं। योजना के संचालन में गंभीर चुनौतियों के कारण यह स्थिति उत्पन्न हुई है। भारत सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना के बावजूद, वर्तमान हालात इसकी सफलता और मरीजों की देखभाल दोनों पर संकट खड़ा कर रही हैं।

यह किया आग्रह

आईएमए के पदाधिकारियों ने सरकार से योजना के सुचारु संचालन के लिए पर्याप्त बजट का प्रावधान करने, एम्पैनल्ड अस्पतालों के लंबित भुगतानों का तत्काल निपटारा करने, अस्पतालों पर हो रहे उत्पीड़न और मनमाने कदमों का अंत करने की मांग की ताकि एक पारदर्शी व सहयोगी प्रणाली की स्थापना से मरीजों को निरंतर लाभ मिल सके। उन्होंने सरकार से शीघ्र और ठोस कदम उठाकर मरीजों और अस्पतालों दोनों के हितों की रक्षा करने का आग्रह किया।

सीहा, खोरी व पीथड़ावास स्कूलों ने मारी बाजी

- नन्हे वैज्ञानिकों ने पर्यावरण विषय पर नवाचारी मॉडल्स के माध्यम से अपनी उपस्थिति दर्ज कराई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। खंड स्तरीय पर्यावरण विज्ञान प्रदर्शनी में विजेताओं का सम्मानित करते अतिथि।

डिप्टी डीईओ एवं डीपीसी राजेंद्र शर्मा ने कहा कि आज का युग विज्ञान का युग है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाते हुए सभी को पर्यावरण का सजग प्रहरी बनना होगा। डिप्टी डीईओ एवं डीपीसी राजेंद्र शर्मा शनिवार को राजकीय विद्यालय सीहा में आयोजित खंड स्तरीय पर्यावरण विज्ञान प्रदर्शनी में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे।

प्रदर्शनी की अध्यक्षता खंड शिक्षा अधिकारी संतोष तंवर ने की तथा प्राचार्य सत्यवीर नाहड़िया ने स्वागताध्यक्ष की भूमिका निभाई। प्रदर्शनी में जिला नोडल अधिकारी डीएमएस अशोक नामवाल विशेष रूप से उपस्थित थे। प्रदर्शनी में खंड के करीब दो दर्जन विद्यालयों तथा मेजबान विद्यालय के डा. सीवी रमन साइंस क्लब के नन्हे वैज्ञानिकों ने पर्यावरण विषय पर नवाचारी मॉडल्स के माध्यम से अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

इस अवसर पर बीईओ तंवर ने सभी विद्यार्थियों से पर्यावरण के पक्षधर पोषक एवं सजग संवाहक बनने का आह्वान किया। प्रदर्शनी के जिला नोडल अधिकारी एवं डीएमएस नामवाल ने प्रदर्शनी के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए पर्यावरण जागरूकता की जरूरत पर बल दिया। प्राचार्य नाहड़िया ने सभी अधिकारियों, प्रतिभागियों एवं प्रभारी का अभिनंदन किया। प्रदर्शनी में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सीहा की छात्रा यक्षरा ने प्रथम, पीएमश्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय खोरी की छात्रा वर्णिका ने द्वितीय, पीएमश्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पीथड़ावास के छात्र नैतिक ने तृतीय तथा रावमावि सीहा की छात्रा मीनाक्षी ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया। इस अवसर पर डाइट के वरिष्ठ प्राध्यापक डा. बीरसिंह, राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार से अलंकृत सत्यपाल सिंह, वेदप्रकाश पीथड़ावास, नंदलाल, कैलाश, प्रियंका, सुनील, रवि प्रकाश, संतोष, राकेश, परमवीर, स्नेह, कृष्ण, रेखा, स्कूल प्रबंधन समिति, ग्राम पंचायत सदस्य तथा सभी स्टाफ मेंबर्स उपस्थित थे। स्टाफ सचिव दिनेश कुमार ने सभी का आभार व्यक्त किया। क्लब के अध्यक्ष हरीश कुमार के संयोजन तथा हिंदी अध्यापक शक्ति सिंह के संचालन में आयोजित कार्यक्रम में लेखक यशपाल आर्य, स्टाफ सचिव दिनेश कुमार, अध्यापिका मंजू शर्मा तथा लक्ष्मी यादव ने विभिन्न प्रस्तुतियां दीं। समारोह में विज्ञान प्रदर्शनी के विजेताओं के अलावा सभी प्रतिभागियों, जिला स्तर पर विजेता रही विद्यालय की कबड्डी टीम तथा पर्यावरण पेंटिंग के प्रतिभागियों को भी पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ता दीपक यादव, कोच होशियार सिंह यादव,कोच संदीप कुमार,नरेश कुमार,नरबीर तथा प्रदीप चौहान को पर्यावरण पुरस्कार से अलंकृत किया गया। डाइट हुसैनपुर से वरिष्ठ प्राध्यापिका डा. सरोज यादव, प्राध्यापिका रितु तथा सुदेश कुमारी ने निर्णायक मंडल की भूमिका निभाई।

आईटीआई में ऑन दा स्पॉट एडमिशन की तिथि बढ़ाई

मंडी अटेली। गांव सुजापुर स्थित राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में ऑन दा स्पॉट एडमिशन की तिथि अब 30 अगस्त तक बढ़ा दी गई है।

संस्थान के प्रधानाचार्य महाबीर सिंह ने बताया कि संस्थान में कंप्युटर ऑपरेटर एंड प्रोग्रामिंग असिस्टेंट,सेविंग टेक्नोलॉजी, वेल्डर, फिटर, इलेक्ट्रिशन, सोलर टेक्निशियन इलेक्ट्रिकल, हेल्थ सैनेटरी इन्स्पेक्टर, स्टेनो हिन्दी, मशीनिस्ट के व्यवसायों में कुल 212 सीटों पर दाखिला होने हैं जिनमें ट्रेड कंप्युटर ऑपरेटर एंड प्रोग्रामिंग असिस्टेंट में 18 सीटें, हेल्थ सैनेटरी इंस्पेक्टर 11 सीटें, मशीनिस्ट चार सीटें, सेविंग टेक्नोलॉजी 13 सीटें, सोलर टेक्निशियन इलेक्ट्रिकल 3 सीटें, स्टेनो हिन्दी 22 सीटें, वेल्डर 12 सीटें रिक्त है। इच्छुक विद्यार्थी 30 अगस्त तक संस्थान में रिक्त सीटों पर ऑन दा स्पॉट दाखिला ले सकते हैं।

खोरी: बारिश से अंडरपास में भरा पानी वाहन फंसने से मची चीख-पुखार

रेवाड़ी। खोरी बस स्टैंड के पास बने अंडरपास में भरा पानी। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| खोरी

खोरी बस स्टैंड के पास बने अंडरपास में शनिवार को भारी बारिश के कारण पानी भर गया। इसमें गाड़ी फंसने से उसमें सवार बच्चों और महिलाओं में चीख-पुकार मच गई। आसपास के लोगों ने वहां पहुंचकर कार को धक्के देकर पानी से बाहर निकाला। इस अंडरपास में बारिश के समय पानी एकत्रित हो जाता है। पानी निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण काफी पानी भर जाता है, जिससे वाहन अक्सर पानी में फंसते रहते हैं। शनिवार को क्षेत्र में हुई अच्छी बारिश के बाद जैसलमेर नेशनल हाइवे से लेकर अंडरपास तक काफी पानी एकत्रित हो गया। एक कार अंडरपास के पास एकत्रित पानी में फंस गई। इससे कार में सवार महिला व बच्चों ने चिल्लाना शुरू कर दिया। आसपास के लोगों ने मौके पर जाकर धक्के देते हुए कार को पानी से निकाला। इसके बाद कार में सवार लोगों ने राहत की सांस ली।

नवनिर्वाचित चेयरमैन का स्वागत, पटौदा का सहकारिता को बढ़ावा देने पर जोर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

दी रेवाड़ी सेंट्रल कोऑपरेटिव बैंक के नवनिर्वाचित चेयरमैन व केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह के खास समर्थक भाजपा नेता अजय पटौदा का शनिवार को उनके कार्यालय पर कई पबुद्ध लोगों ने जोरदार स्वागत किया। इस मौके पर लोगों ने पटौदा को पगड़ी पहनाकर बुक्के भेंट किए। अजय पटौदा को केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह, कैबिनेट मंत्री आरती राव और राव के वरिष्ठ सहयोगी रहे रवि यादव के आशीर्वाद से निर्विरोध चेयरमैन निर्वाचित घोषित किया गया था। इसके बाद हाल ही में कैबिनेट मंत्री आरती राव ने उन्हें कुर्सी पर बैठाकर पदभार ग्रहण कराया था। शनिवार को पंचायत समिति सदस्य पीथनवास निवासी हनुमान छावड़ी, हरचरण सिंह नंबरदार, कप्तान प्रकाश, बसंतराम, डा. समयसिंह, बोलनी निवासी नगेंद्र भारद्वाज, नरेंद्र नंबरदार, सांपली निवासी रविकांत, बिरेंद्र पंच, रालियावास निवासी गज्जीराम, विक्रम छावड़ी, गज्जीवास निवासी संजय व कई अन्य लोगों ने अजय पटौदा के कार्यालय पहुंचकर उनका स्वागत किया।

रेवाड़ी। नवनिर्वाचित चेयरमैन का स्वागत करते प्रबुद्ध लोग।

बैंक सदस्यों के हितों का रखेंगे ध्यान

इस मौके पर अजय पटौदा ने कहा कि केंद्रीय मंत्री अमित शाह के सहकारिता मंत्रालय का जिम्मा संभालने के बाद पूरे देश में सहकारिता के क्षेत्र में जबरदस्त विकास हुआ है। उन्हें सहकारी बैंक का चेयरमैन बनने का मौका मिला है, इसलिए वह जिला स्तर पर सहकारिता को बढ़ावा देने की दिशा में काम करेंगे। सहकारी बैंक से जुड़े हर सदस्य के हितों का पूरा ध्यान रखा जाएगा।

नशे का कारोबार करने वालों की सूचना पुलिस को दें

- डीएसपी बावल सुरेन्द्र श्योराण ने टीम के साथ गांव धारण का भ्रमण किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बावल

डीएसपी बावल सुरेन्द्र श्योराण ने शनिवार को टीम के साथ गांव धारण का भ्रमण किया तथा ग्रामीणों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी। इस दौरान बावल थाना प्रभारी इंस्पेक्टर संजय कुमार भी मौजूद थे। इस अवसर पर डीएसपी श्योराण ने कहा कि क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है। इसके साथ ही अपराध पर अंकुश, महिला सुरक्षा, नशे पर रोकथाम पुलिस की प्राथमिकता है। नशा समाज का साझां दुश्मन है, इसलिए समाज से नशे को पूरी तरह से समाप्त करने के लिए सभी लोग अपनी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभाएं तथा जिला पुलिस द्वारा नशे के खिलाफ चलाई जा रही मुहिम में पूर्ण सहयोग करें। डीएसपी ने कहा कि नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में सभी ग्राम पंचायतें, सामाजिक संस्थाएं तथा यूथ क्लब अपनी अग्रणी भूमिका निभाएं ताकि समाज को पूरी तरह से नशा मुक्त किया जा सकें। उन्होंने कहा कि महिला विरुद्ध अपराधों पर पुलिस द्वारा सख्ती से कार्रवाई की जा रही है। महिला थाना व महिला हेल्पलाइन 1091 व डायल 112 पीड़ित की मदद के लिए है। महिलाएं कभी भी अपनी शिकायत दे सकती है। सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए मौजिज व्यक्तियों से अधिक सीसीटीवी कैमरे लगाने की अपील भी की।

रेवाड़ी। ग्रामीणों को जानकारी देते हुए डीएसपी सुरेन्द्र श्योराण। फोटो : हरिभूमि

डीएसपी बावल ने कहा

पुलिस अपने स्तर पर नशे के खिलाफ जोरदार अभियान चलाए हुए हैं, जिसके तहत नशा तस्करों पर शिकंजा कसा जा रहा है तथा जिला पुलिस की नशा मुक्त टीम द्वारा युवाओं को विभिन्न खेल गतिविधियों तथा कार्यक्रमों के माध्यम से नशे के खिलाफ जागरूक भी किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पुलिस के अभियान से प्रेरित होकर जहां युवा शिक्षा और खेल गतिविधियों की ओर अग्रसर हो रहे हैं। वहीं पर अनेक नशा ग्रस्त युवकों ने नशा छोड़ने की पहल भी की है। उन्होंने कहा कि नशा बेचने वालों की असली जगह जेल में है, इसलिए नशे का कारोबार करने वालों की सूचना निःसंकोच होकर पुलिस को दें, पुलिस प्रशासन की ओर से कड़ी कार्रवाई की जाएगी। सभी साइबर अपराधों से स्वयं को दूर रखे व सोशल मीडिया पर अन्जान लोगो से फ्रैंड व फॉलो रिक्वेस्ट असेप्ट न करे, अपनी गोपनीय जानकारी किसी को न दे। किसी भी साइबर अपराध के घटित होने पर हेल्पलाईन नंबर 1930 पर काल करके अपनी शिकायत दर्ज करा सकते है।

कोसलीः रीजनल सेंटर में यूजी और पीजी कोर्सों में दाखिले 31 तक

रेवाड़ी। कृष्ण नगर स्थित महिला रीजनल सेंटर। *फोटो :हरिभूमि*

कोसली। कृष्ण नगर गांव स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के महिला रीजनल सेंटर में यूजी और पीजी कोर्सों की ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन और दाखिला के लिए सीधे दाखिला व फीस जमा करने की प्रक्रिया अब 31 अगस्त तक चलेगी। निदेशक डा. यशपाल शर्मा ने बताया कि नई शिक्षा नीति के अनुसार रीजनल सेंटर में यूजी कोर्स बीए आनर्स मल्टीडिसीप्लिनरी की 100 सीटें, बीएससी इन फिजिकल साइंस आनर्स नान मेडिकल की 60 सीटें व बीकॉम आनर्स की 60 सीटें है तथा पीजी कोर्स एमए अंग्रेजी 30 सीटें व एमए राजनीति विज्ञान में 40 सीटें हैं। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो.सुदेश द्वारा ग्रामीण क्षेत्र की छात्राओं की समस्या और भविष्य को देखते हुए दाखिले की प्रक्रिया 31 अगस्त तक बढ़ा दी गई है। उन्होंने कहा कि छात्राएं समय पर ऑनलाइन आवेदन पत्र जमा कर फीस भरें और आवश्यक दस्तावेज अपलोड करें। डा. अनिल कुमार यादव ने बताया कि छात्राएं अधिक जानकारी के रीजनल सेंटर में संपर्क कर सकती हैं।

कार्यशाला का समापन | सतीश चंद्र जोशी की ओर से लिखित नाटक का मंचन

21 दिवसीय रंगमंच कार्यशाला का समापन, अग्नि शिखा नाटक को देखकर मंत्रमुग्ध हुए दर्शक

कार्यशाला निर्देशक मदन डागर बोले-रंगमंच जीवन के हर पहलू को छूता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग हरियाणा की ओर से आयोजित 21 दिवसीय रंगमंच कार्यशाला का समापन शनिवार को सैनी पब्लिक स्कूल में हुआ। इस मौके पर कार्यशाला में तैयार किए गए चाणक्य के जीवन और उनके अदम्य संकल्प पर आधारित नाटक अग्नि शिखा का मंचन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सैनी सभा के प्रधान मनोज सैनी थे, जबकि अध्यक्षता सैनी स्कूल के चेयरमैन चेतराम सैनी ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में विद्यालय की प्रचार्या अनिता यादव उपस्थित रही। कार्यशाला रंगकर्मी मदन डागर के निर्देशन में संपन्न हुई, जिसमें जिले के 20 प्रतिभागियों ने अभिनय, संवाद-अभिनय, शारीरिक भाषा, मंच अनुशासन, समूह-अभिनय और अभिव्यक्ति की गहन बारीकियां सीखीं। कार्यशाला के समापन पर सतीश चंद्र जोशी की ओर से लिखित नाटक अग्नि शिखा का मंचन किया गया, जोकि आचार्य चाणक्य के अद्वितीय संघर्ष, उनकी नीति, दूरदृष्टि और समाज परिवर्तन की ज्वाला को मंच पर सजीव करता है। कलाकारों ने चाणक्य के जीवन से जुड़े प्रसंगों को सशक्त संवादों और प्रभावी अभिनय के माध्यम से प्रस्तुत कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। इस अवसर पर सैनी सभा के प्रधान मनोज सैनी ने कहा कि ऐसे आयोजन युवाओं में कला, संस्कृति और इतिहास के प्रति गहरी रुचि जगाने का कार्य करते हैं। साथ ही यह रंगकर्मियों को मंच पर अपने कौशल को निखारने और आत्मविश्वास के साथ अभिव्यक्त करने का अवसर प्रदान करते हैं।

कार्यशाला निर्देशक मदन डागर ने कहा कि रंगमंच जीवन के हर पहलू को छूता है। यह केवल कला नहीं, बल्कि समाज को दिशा देने का एक माध्यम है।

रेवाड़ी। कार्यशाला के समापन पर नाटक का मंचन करते कलाकार। *फोटो : हरिभूमि*

मंच संचालन रिंकी ने किया

कार्यशाला में आर्यन, धवल, नितिन राठी, पंकज, प्रियंका यादव, गोविंद, प्रीति, हिमांशु, अर्जुन, रितिक, पूजा, कंचन यादव, संजय चौधरी, यश कुमार, डा. अंकुर, ललित वर्मा, कशिश बत्रा, हिमानी, मयंक सहरावत, लक्ष्मी, धीरज, आंचल व जीतेश बत्रा आदि युवा कलाकारों ने भाग लिया। इस अवसर पर सैनी सभा से कॉलेजियम सदस्य ललित सैनी, भूपेश सैनी, मनीष सैनी, ओमप्रकाश सैनी, प्रवक्ता व कवि सुधीर यादव व राजेश कुमार उपस्थित थे। सभी प्रतिभागियों को स्मृति चिन्ह व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। मंच संचालन रिंकी ने किया।

खबर संक्षेप

रेवाड़ी। आईजीयू में विद्यार्थियों को शपथ दिलाते शिक्षक। फोटो :हरिभूमि

इतिहास विभाग के विद्यार्थियों को रैगिंग से होने वाले नुकसान बताएं

रेवाड़ी। इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर के इतिहास विभाग में एंटी रैगिंग सप्ताह के तहत विद्यार्थियों को विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से जागरूक किया गया। इस अवसर पर एक शॉर्ट फिल्म दिखाकर विद्यार्थियों को रैगिंग से होने वाले नुकसानों से अवगत कराया गया। रैगिंग एक अपराध है तथा इसे किस प्रकार बचा जा सकता है, इस पर एक व्याख्यान भी रखा गया, जिसमें डा. बीरेंद्र सिंह ने रैगिंग के प्रति विद्यार्थियों को जागरूक किया। डा. अविनाश आर्य ने विद्यार्थियों को शपथ दिलाकर विवि के वातावरण को रैगिंग मुक्त बनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर डा. बलकार सिंह, डा. कमलेश नरवाना, डा. रितु चौधरी व डा. मन्जू कुमारी सहित अनेक विद्यार्थी उपस्थित थे।

- विद्यार्थियों को शपथ दिलाकर विवि के वातावरण को रैगिंग मुक्त बनाने का आह्वान किया

खो-खो अंडर-19 में बावल व अंडर-17 में रेवाड़ी बना विजेता

जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिताओं में गर्ल्स का बेहतरीन प्रदर्शन

- शिक्षा विभाग की ओर से सभी खेलों के मुकाबले शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और उत्साहपूर्ण माहौल में संपन्न कराए जा रहे
- बास्केटबॉल प्रतियोगिता बावल क्षेत्र में संपन्न हुई, जिसमें 14 खिलाड़ियों ने भाग लिया

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

रेवाड़ी। ताइक्वांडो में मुकाबला करते खिलाड़ी। फोटो : हरिभूमि

रेवाड़ी। बास्केटबॉल खेलते हुए खिलाड़ी तथा खो-खो प्रतियोगिता में भाग लेती छात्राएं। फोटो : हरिभूमि

शिक्षा विभाग के तत्वावधान में जिले के विभिन्न विद्यालयों में चल रही जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिताओं में शनिवार का अंडर-14, अंडर-17 और अंडर-19 आयु वर्ग की गर्ल्स खिलाड़ियों बेहतरीन खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कबड्डी प्रतियोगिता डीएनपीएस बालावास में आयोजित की गई, जिसमें खिलाड़ियों ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया। बास्केटबॉल प्रतियोगिता बावल क्षेत्र में संपन्न हुई, जिसमें 14 खिलाड़ियों ने भाग लिया। अंडर-14 वर्ग में बावल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि रेवाड़ी की टीम दूसरे स्थान पर रही। वहीं अंडर-19 वर्ग में रेवाड़ी की टीम विजेता बनी और बावल को दूसरा स्थान मिला। बॉक्सिंग मुकाबले जीएसएसएस नांगल पठानी में आयोजित किए गए। खो-खो प्रतियोगिता खेल स्टेडियम बावल में संपन्न हुई, जिसमें अंडर-19 वर्ग में बावल की टीम ने प्रथम स्थान हासिल किया, जबकि नाहड़ की टीम दूसरे स्थान पर रही। अंडर-17 वर्ग में रेवाड़ी ने पहला और बावल ने दूसरा हासिल किया। विजेता टीमों को शिक्षा विभाग की ओर से बधाई दी गई। सेवानिवृत्त फुटबॉल प्रशिक्षक जसवंत सिंह, सहायक खेल अधिकारी भूपेंद्र यादव, मौलिक शिक्षा खेल अधिकारी सुनील कुमार, फुटबॉल प्रशिक्षक चरण सिंह व संदीप, खेल प्रवक्ता प्रवीण, डीपीई विक्रम, प्रवक्ता रवि, पीटीआई इंद्रजीत और डीपीई केहर सिंह उपस्थित थे।

बास्केटबॉल मे रेवाड़ी ब्लॉक बना विजेता : शिक्षा विभाग की ओर से ताइक्वांडो प्रतियोगिता का आयोजन आरपीएस स्कूल में किया गया, जहां बालिकाओं का ताइक्वांडो ट्रायल संपन्न हुआ। अंडर-17 बालिका बास्केटबॉल मुकाबला टैगोर स्कूल में आयोजित किया गया। जहां रेवाड़ी ब्लॉक की टीम ने शानदार खेल दिखाते हुए प्रथम स्थान हासिल किया। जाटूसाना ब्लॉक की टीम द्वितीय स्थान पर रही। एईओ भूपेन्द्र यादव ने कहा कि शिक्षा विभाग की ओर से सभी खेलों के मुकाबले शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और उत्साहपूर्ण माहौल में संपन्न कराए जा रहे है।

रेवाड़ी। कार्यक्रम में मौजूद शिक्षक व विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

आईजीयू में एक विद्यार्थी एक पेड़ अभियान चलाया

छात्रों ने रोपित किए पौधे

खास बातें

- प्रो. सुनील कुमार ने पेड़ों के प्राकृतिक व स्वास्थ्यवर्धक लाभों पर प्रकाश डाला
- डा. बिजेंद्र सिंह ने अभियान को छात्रों में जिम्मेदारी और प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता का उत्कृष्ट उदाहरण बताया

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर के मनोविज्ञान विभाग की ओर से एक विद्यार्थी एक पेड़ अभियान के अंतर्गत पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विभाग के प्रत्येक छात्र ने एक-एक पौधा रोपित किया और उसकी देखभाल की जिम्मेदारी भी ली। कार्यक्रम में अधिष्ठाता शैक्षणिक मामले प्रोफेसर सुनील कुमार, अधिष्ठाता मानविकी संकाय एवं अध्यक्ष, पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग प्रोफेसर निखिलेश यादव तथा मनोविज्ञान विभागाध्यक्ष एवं अध्यक्ष, बिहेवियरल एंड कॉग्निटिव साइंसेज डा. बिजेंद्र सिंह ने भी पौधरोपण किया और विद्यार्थियों को प्रेरित किया। प्रो. सुनील कुमार ने पेड़ों के प्राकृतिक व स्वास्थ्यवर्धक लाभों पर प्रकाश डालते हुए छात्रों को उनसे जुड़ी जानकारी अर्जित करने और पर्यावरण संरक्षण के प्रति सजग रहने का आह्वान किया। प्रो. निखिलेश ने कहा कि पौधारोपण केवल हरियाली बढ़ाने का प्रयास नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ और सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित करने का संकल्प है। डा. बिजेंद्र सिंह ने अभियान को छात्रों में जिम्मेदारी और प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता का उत्कृष्ट उदाहरण बताया। इस मौके पर मनोविज्ञान विभाग से डा. संदीप कुमार, डा. सतीश कुमार व रोहित कुमार सहित अन्य शिक्षक और छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

रेवाड़ी। विद्यार्थियों को सम्मानित करते अतिथि। फोटो : हरिभूमि

न्यू इरा स्कूल के प्रतिभाशाली विद्यार्थी हुए सम्मानित

कुंड। कुंड के न्यू इरा सीनियर सैकेंडरी स्कूल में शनिवार को सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिला भाजपा सचिव व समाजसेवी दिनेश यादव टींट ने प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को सम्मानित किया। जिला स्तरीय साइंस सेमिनार में दूसरा स्थान प्राप्त करने वाली छात्रा नयासा व खेल प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित करते हुए दिनेश यादव ने कहा कि लग्न व मेहनत से किसी भी मुकाम को हासिल किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि बच्चों को लक्ष्य निर्धारित कर शिक्षा ग्रहण करनी चाहिए। स्कूल चेयरमैन ने अतिथि का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर युवा समाजसेवी राहुल यादव, श्रवण सैदपुर व गोरक्षक नीरज यादव मौजूद थे।

बाबा बिशनदास मंदिर में जागरण तीन को

हरिभूमि न्यूज ⏭ डहीना

- मेले के आयोजन को लेकर गांव के सरपंच रामस्वरूप शर्मा की अध्यक्षता में मंदिर कमेटी सदस्यों की बैठक का आयोजन किया गया
- मेला व खेलकूद प्रतियोगिताएं 4 सितंबर को

गांव निमोठ स्थित बाबा बिशनदास मंदिर परिसर में वामन द्वादशी के अवसर पर 4 सितम्बर को जागरण, मेला, भंडारा व खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। मंदिर कमेटी के प्रधान रविन्द्र कुमार यादव व कोषाध्यक्ष सूबेदार मेजर सत्य नारायण सांभरिया ने बताया कि मंदिर में 3 सितंबर को रात्रि 8 बजे जागरण का आयोजन होगा, जिसमें गायक कलाकार अनिल धनोरी एंड पार्टी बाबा की महिमा का गुणगान करेगी। जागरण में मनमोहक झांकियां भी प्रस्तुत की जाएगी। 4 सितंबर 2025 को प्रातः हवन के बाद मेले का शुभारंभ किया जाएगा तथा बाबा भंडारा प्रातः 8:15 बजे से शुरू किया जाएगा। मेले के आयोजन को लेकर गांव के सरपंच रामस्वरूप शर्मा की अध्यक्षता में मंदिर कमेटी सदस्यों की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में विभिन्न खेलकूद प्रतियोगिताओं में विजेता खिलाडियों को दी जाने वाली पुरुस्कार राशि निर्धारित की गई। मंदिर कमेटी के कोषाध्यक्ष सत्य नारायण सांभरिया ने बताया कि खेल प्रतियोगिताएं 11 बजे शुरू होंगी। कबड्डी व वालीबॉल शूटिंग में विजेता टीम को 21000 रुपये तथा उपविजेता टीम को 11000 रुपये का इनाम दिया जाएगा। बुजुर्ग दौड़, लड़कों की दौड़, लड़कियों की दौड़, लंबी कूद व ऊंची कूद में प्रथम स्थान वाले खिलाड़ी को 1500, द्वितीय को 1100 रुपये तथा तृतीय को 700 रुपये देकर पुरस्कृत किया जाएगा। इसके अलावा 100, 250, 500 रुपये की दस-दस कुश्तियां, 1100 रुपये की तीन कुश्तियां, 2100 रुपये दो कुश्तियां, 5100, 11000 तथा 21000 रुपये की एक-एक कुश्ती कराई जाएगी। खेल प्रतियोगिताओं में खिलाड़ी को आधार कार्ड लाना जरूरी है। बैठक में रिटायर्ड हैड मास्टर लाल सिंह यादव, सेक्रेटरी रामचंद्र यादव, रामनिवास शर्मा, मांगेराम, शेर सिंह यादव, मास्टर सुनील कुमार, सुभाष यादव, महेन्द्र शर्मा, अनिल सैन पूर्व पंच, रामचन्द, निर्मल कुमार, किरपाल सिंह, कंवर सिंह व मंदिर के पुजारी जीपी बाबा उपस्थित थे।

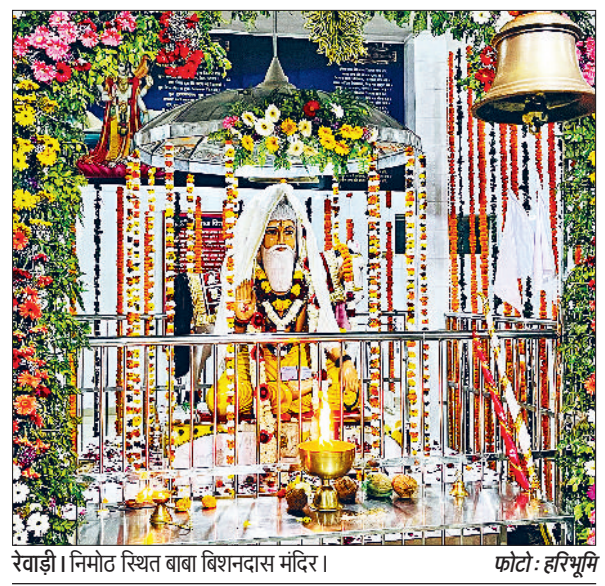

रेवाड़ी। निमोठ स्थित बाबा बिशनदास मंदिर। फोटो : हरिभूमि

रेवाड़ी। अहीर कॉलेज में पौधरोपण करते शिक्षक व विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

अहीर कॉलेज में पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन विद्यार्थियों ने 125 पौधे किए रोपित

रेवाड़ी। अहीर महाविद्यालय में शनिवार को एनएसएस, एनसीसी, यूथ रेडक्रास, वनस्पति विज्ञान विभाग व इको क्लब के संयुक्त तत्वावधान में पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महाविद्यालय प्रबंधन समिति के महासचिव राव राघवेंद्र थे। इस मौके पर मुख्यातिथि राव राघवेन्द्र ने विद्यार्थियों को पेड़-पौधों के महत्व से अवगत कराते हुए कहा कि पौधरोपण करने का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण को बढावा देना है। पौधों से हमे न केवल फल-फूल प्राप्त होते हैं, अपितु जीवनदायिनी शुद्ध हवा भी हम पौधों से ही ग्रहण करते हैं। इस मौके पर शिक्षकों व विद्यार्थियों ने करीब 125 पौधे रोपित किए। प्राचार्या डा. उर्मिला शर्मा ने विद्यार्थियों को अपने घर व आसपास की जगहों में अधिकाधिक पौधरोपण के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि पौधे जहां वायु का शुद्धिकरण करते हैं, वहीं जल चक्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा कर वर्षा लाने में भी सहायक होते हैं। एनएसएस, एनसीसी, यूथ रेडक्रास, बॉटनी विभाग व इको क्लब के प्रभारियों व विद्यार्थियों ने अनेक प्रजाति के पौधे लगाए। वनस्पति विज्ञान विभाग प्रभारी प्रो. मुक्ता अरोड़ा ने बताया कि वनस्पति विज्ञान पौधों का अध्ययन कर पारिस्थितिकी तंत्र को समझने में मदद करता है। इस अवसर पर सभी टीचिंग व नॉन टीचिंग स्टाफ सदस्य उपस्थित थे।

सरकार की कुशल नीतियों से प्रदेश में तेजी से घूम रहा विकास का पहिया: डा. बनवारीलाल

- संगठनात्मक विस्तार को लेकर हुई खोल मंडल भाजपा की बैठक

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

रेवाड़ी। डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्प अर्पित करते डा. बनवारीलाल व बैठक में मौजूद पदाधिकारी। फोटो : हरिभूमि

पूर्व मंत्री डा. बनवारीलाल ने कहा कि केंद्र व प्रदेश सरकार की कुशल नीतियों के कारण विकास का पहिया तेज गति से घूम रहा है। पूरे प्रदेश में बिना किसी भेदभाव व क्षेत्रवाद के समान रूप से विकास हो रहा है, जिससे प्रदेश की जनता सरकार की नीतियों से खुश नजर आ रही है। डा. बनवारीलाल शनिवार को एक समारोह स्थल में आयोजित भाजपा संगठन विस्तार की बैठक को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि पीएम मोदी की दूरगामी सोच व कुशल नीतियों से देश का नाम विश्व पटल पर प्रमुखता से लिया जाने लगा है। पीएम का मन की बात कार्यक्रम पूरे देश में लोकप्रियता हासिल कर चुका है। प्रधानमंत्री देश को मजबूत आर्थिक ताकत बनाने की दिशा में कार्य कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में नायब सिंह सैनी सरकार के जनहित के फैसलों से लोग खुश नजर आ रहे हैं। कांग्रेस के पास ऐसा कोई मुद्दा नहीं बचा है, जिसे लेकर वह लोगों के बीच जा सके।

कांग्रेस में जिलाध्यक्षों की नियुक्ति के बाद ही कार्यकर्ताओं का असंतोष सामने आने लगा है। पार्टी अभी तक विपक्ष के नेता का चयन तक नहीं कर पाई है।

इन पदाधिकारियों ने भी रखे अपने विचार

बैठक की अध्यक्षता सुभाष यादव खोल मंडल अध्यक्ष ने की। इस बैठक में भाजपा नेता डा. अरविंद यादव, जिला उपाध्यक्ष जीतू चेयरमैन, जिला सचिव दिनेश यादव, जितेंद्र वाल्मीकि व अशोक यादव ने भी विचार व्यक्त करते हुए पीएम मोदी के मन की बात कार्यक्रम, पंच परिवर्तन व सरकारी योजनाओं पर प्रकाश डाला। पार्टी पदाधिकारियों ने केंद्र व प्रदेश सरकार की नीतियों की सराहना करते हुए कहा कि कुशल नीतियों के कारण लोग सरकार के कामकाज से काफी खुश नजर आ रहे हैं।

उन्होंने कहा भाजपा का संगठन काफी मजबूत हो चुका है। यहां हर कार्यकर्ता को पूरा मान-सम्मान मिलता है। कर्मठ कार्यकर्ताओं को संगठन में महत्वपूर्ण दिए जाते हैं।

राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बीकानेर में राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य मनोज कुमार ने बताया कि राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस को मनाने का उद्देश्य चंद्रयान-3 मिशन सफलता को याद करना और युवाओं को विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित में करियर बनाने के लिए प्रेरित करना है। विज्ञान अध्यापिका हरिता शर्मा के नेतृत्व में कक्षा 6 से 8 के किशन, पूर्ति, नताशा, भावना, इशिका, कनिष्का व दीपिका ने लघु नाटिका के माध्यम से वैज्ञानिकों को याद कर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में उनके योगदान पर प्रकाश डाला, जबकि संजना ने भाषण के माध्यम से ऐतिहासिक दिन को याद किया।

इस अवसर पर स्टाफ सचिव प्रवक्ता सत्ते सिंह, मीनाक्षी चुग, अनिता रोहिल्ला व पुनीता सैनी सहित अध्यापक रविंद्र कुमार, मुकेश कुमार, पूनम देवी, मंजू लता, प्रिया, नरेंद्र सिंह व राजेश कुमार उपस्थित थे।

रेवाड़ी। कार्यक्रम में मौजूद शिक्षक व विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

आईजीयू के कंप्यूटर साइंस व इंजीनियरिंग विभाग में इंडक्शन कार्यक्रम का आयोजन

- विश्वविद्यालय की दृष्टि, मिशन शैक्षणिक वातावरण और मूल्यों के बारे में बताया

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

रेवाड़ी। कार्यक्रम में उपस्थित आईजीयू शिक्षक स्टाफ। फोटो : हरिभूमि

इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर के कंप्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग विभाग की ओर से नव प्रवेशित विद्यार्थियों के लिए इंडक्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत अधिष्ठाता शैक्षणिक मामले प्रो. सुनील कुमार ने की। उन्होंने विश्वविद्यालय की दृष्टि, मिशन, शैक्षणिक वातावरण और मूल्यों के बारे में बताया। विभागाध्यक्ष प्रोफेसर सतिंदर बल गुप्ता ने विद्यार्थियों को विवि की गतिविधियों की जानकारी दी। कार्यक्रम संयोजक प्रोफेसर सविता श्योराण ने विभाग के शैक्षणिक कार्यक्रमों, सशक्त इंफ्रास्ट्रक्चर और उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने इंफोसिस कंपनी के साथ हुए एमओयू की जानकारी दी, जिससे छात्रों को प्रशिक्षण, इंटर्नशिप और रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। प्रोफेसर पंकज त्यागी ने लाइब्रेरी संसाधनों और ई-रेसोर्सेज के बारे में जानकारी साझा की। डा. अशोक कुमार ने पाठ्यक्रम और स्कीम की जानकारी दी। एडिशनल डायरेक्टर प्रो. योगिता ने यूनिवर्सिटी कंप्यूटर सेंटर की सुविधाएं बताई। डा. रीना हुड्डा ने छात्रों को सांस्कृतिक, तकनीकी व खेल गतिविधियों को लेकर जागरूक किया। डा. नवीन दहिया ने लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम की महत्ता के बारे में बताया। स्टूडेंट रिप्रेजेंटेटिव्स के रूप में बीटेक से पिंकी एवं यशवर्धन तथा एमसीए से निशा एवं ललित ने भी अपने अनुभव साझा किए। डा. संगीता ने मंच संचालन किया। कार्यक्रम में डा. अजय कुमार, डा. शिवानी, डा. पूजा, जोगेंद्र, प्रशांत, योगेश, ललित व प्रदीप रंगा उपस्थित थे।

कार्यक्रम प्राचार्या ने नवागंतुक छात्राओं को महाविद्यालय जीवन में प्रवेश करने पर शुभकामनाएं दी

गर्ल्स कॉलेज में हुआ ओरिएंटेशन कार्यक्रम, प्रथम वर्ष की छात्राओं को गतिविधियों से अवगत कराया

- छात्राओं को माता सावित्रीबाई फुले के जीवन से प्रेरणा लेने का आह्वान किया

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

रेवाड़ी। कार्यक्रम में छात्राओं का जानकारी देते हुए प्राचार्या। फोटो : हरिभूमि

सेक्टर-18 स्थित प्रथम महिला शिक्षिका माता सावित्रीबाई फुले राजकीय कन्या महाविद्यालय में नवप्रवेशी छात्राओं के लिए दो दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यक्रम का शनिवार को समापन किया गया। पहले दिन बीए प्रथम वर्ष तथा दूसरे दिन बीकॉम, बीएससी, बीसीए प्रथम वर्ष की छात्राओं का स्वागत किया गया व महाविद्यालय में होने वाली गतिविधियों, सुविधाओं व नियमों से अवगत कराया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्या डा. ज्योति यादव ने की। इस मौके पर प्राचार्या ने नवागंतुक छात्राओं को महाविद्यालय जीवन में प्रवेश करने पर शुभकामनाएं दी। प्राचार्या ने छात्राओं को माता सावित्रीबाई फुले के जीवन से प्रेरणा लेने का आह्वान करते हुए जीवन में आने वाली हर समस्या व चुनौती का डटकर सामना करने के लिए प्रेरित किया। मनोविज्ञान की प्रोफेसर प्राचार्या डा. ज्योति ने कहा कि छात्राओं की काउंसलिंग के लिए दो से तीन बजे का समय निर्धारित है। छात्राएं किसी भी मानसिक समस्या या काउंसलिंग के लिए मिल सकती हैं। कार्यक्रम के संयोजक व कॉलेज रजिस्ट्रार नरेंद्र सिंह ने बताया कि ओरिएंटेशन कार्यक्रम उच्चतर शिक्षा विभाग हरियाणा के निर्देशानुसार आयोजित किया गया। रजिस्ट्रार ऑफिस की ओर से राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 पर विशेष प्रस्तुति दी गई, जिसमें इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर की ओर से निर्धारित किए गए पाठ्यक्रम, मेजर विषयों माइनर विषयों तथा अन्य विषयों के अलावा परीक्षा संबंधी नियमों व महाविद्यालय की वेबसाइट के बारे में बताया गया। डा. सुनीता यादव के मंच संचालन में आयोजित ओरिएंटेशन कार्यक्रम में सभी विभागों के प्रभारियों ने छात्राओं को अपने-अपने सेल की गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। प्राचार्य ने सभी विभागों के स्टाफ सदस्यों का नव प्रवेशी छात्राओं के साथ परिचय भी करवाया।

इन इंचार्जो ने दी छात्राओं को जानकारियां

कार्यक्रम में प्रो. सतेन्द्र सतेन्द्र सिंह ने दौरान डा. नरेश कुमार ने छात्राओं का स्पोर्ट्स, संदीप कुमार ने आईडी कार्ड व लाइब्रेरी, राजकुमार ने बसपास, डा.सुनील कुमार ने टाइम टेबल व पढ़ाई के साथ कमाई करने, नरेन्द्र सिंह ने परीक्षा, एससी सेल व एल्युमिनी सेल, डा. रीना ने अनुशासन व ग्रीवेंश सेल, सुनील तोबड़िया ने स्कॉलरशिप व एंटी ड्रग सेल, डा. स्वाति व डा. रजनी ने एनएसएस, ज्योति यादव ने एनसीसी, डा.सुनीता ने हॉस्टल व यूथ रेडक्रॉस, डा.सुचेता ने विमेन सेल व स्वच्छता, रितु ने प्लेसमेंट सेल व हेल्थ सेंटर, डा.जयश्री ने कैंटीन, डा. रोजेश ने कल्चरल एक्टिविटीज, एंटी रैगिंग व इको क्लब, डा. धीरज यादव ने दिव्यांग प्रकोष्ठ, डा. दीपक ने वोटर कार्ड व पासपोर्ट, जोगिन्द्र सिंह ने ड्राइविंग लाइसेंस, डा. योगेश कुमार ने वाटर एरेंजमेंट तथा पूनम ने छात्राओं को योगा क्लब की जानकारी दी।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

रोहतक, रविवार 24 अगस्त 2025

भगवान गणपति के प्रसिद्ध-भव्य मंदिर

विशेषः गणेश चतुर्थी
27 अगस्त

आवरण कथा
रजनी अरोड़ा

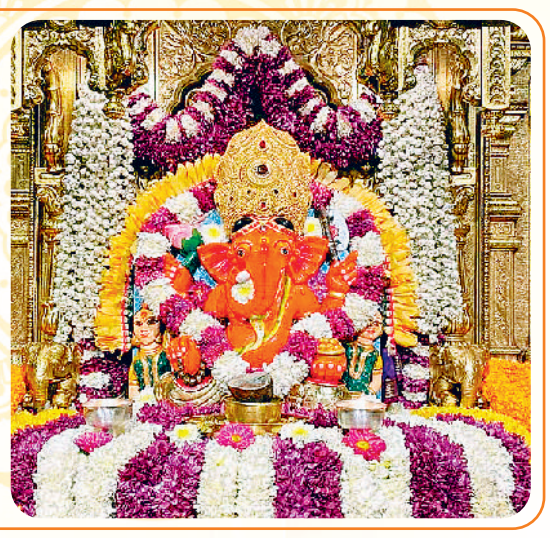

भारतीय धार्मिक परंपराओं में भगवान गणेश का स्थान सभी देवताओं में सर्वप्रथम पूज्यनीय माना जाता है। प्रतिवर्ष भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि को गणेशोत्सव मनाया जाता है। इस अवसर पर देश के अलग-अलग राज्यों में स्थित भगवान गणेश के मंदिरों में बड़ी संख्या में श्रद्धालु एकत्रित होते हैं। इनमें से कुछ भव्य-प्रसिद्ध मंदिरों के बारे में यहां बता रहे हैं।

श्री सिद्धिविनायक मंदिर (मुंबई) महाराष्ट्र

यह भारत में गणेश जी के सबसे प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है। इस मंदिर का निर्माण 1801 में लक्ष्मण विठु और देउबाई पाटिल ने कराया था। इस मंदिर में गणपति बप्पा की प्रतिमा को काले पत्थर पर तराश कर बनाया गया है और गणपति जी अपनी दोनों पत्नी रिद्धि-सिद्धि के साथ यहां विराजमान हैं। पहले सिद्धिविनायक मंदिर की मूल संरचना काफी छोटी थी, लेकिन बाद में इस मंदिर का पुनर्निर्माण कराया गया। आज यह मंदिर पांच मंजिला बन चुका है। यहां गणेश जी को सिद्धिविनायक कहा जाता है, क्योंकि उनकी मूर्ति की सूंड़ दाईं ओर मुड़ी हुई है और सीधी पेट से जुड़ी हुई है। गणेशजी को नवसाचा गणपति भी कहा जाता है, जिसका अर्थ है कि अगर आप सच्चे मन से कुछ मांगते हैं, तो वह अवश्य प्राप्त होता है। यहां रोजाना लाखों की संख्या में भक्त गणपति बप्पा के दर्शन के लिए आते हैं। मंदिर प्रांगण में एक अस्पताल भी है, जहां लोगों का मुफ्त इलाज किया जाता है। इसके अलावा मंदिर में रसोईघर, प्रवचन मंडप और गणेश संग्रहालय भी हैं। *

रणथंभौर त्रिनेत्र गणेश मंदिर राजस्थान

यह मंदिर राजस्थान प्रांत में सवाई माधोपुर जिले में स्थित है, जिसे 10वीं सदी में रणथंभौर के राजा हमीर ने बनवाया था। यह विश्व धरोहर में शामिल रणथंभौर दुर्ग के भीतर बना है। यहां गणेश जी को रणतभंवर रणक भंवर नाम से भी जाना जाता है। पूरी दुनिया में यह ऐसा अनूठा मंदिर है, जहां गणेश जी की मूर्ति का रंग नारंगी है और अपने पिता शिवजी के समान तीन नेत्रों को धारण करके विराजमान हैं। इसकी एक और खासियत है कि यहां भगवान गणेश के पूरे परिवार को स्थापित किया गया है। इसमें गणेश जी अपनी दोनों पत्नियों रिद्धि-सिद्धि और पुत्रों शुभ-लाभ के साथ शोभायमान हैं। पौराणिक मान्यता है कि हजारों साल पहले भगवान श्रीकृष्ण और रुक्मणि के विवाह का निमंत्रण-पत्र इस मंदिर में भेजा गया था। तब से यह मंदिर भगवान को निमंत्रण-पत्र भेजने के लिए मशहूर है। स्थानीय लोगों के घर जब कभी शादी-ब्याह जैसा कोई मंगल कार्य होता है, तो वो सबसे पहले गणेश जी के नाम कार्ड भेजना नहीं भूलते, यानी अपना न्यौता रणथंभौर के गणेश मंदिर में देते हैं। गणेश चतुर्थी के मौके पर यहां हर साल भव्य गणेश मेला भी लगता है। *

उच्ची पिल्लैयार मंदिर तमिलनाडु

तिरुचिरापल्ली के रॉकफोट के शिखर पर यह मंदिर स्थित है। पल्लवों द्वारा चट्टान को काटकर निर्मित कराए गए इस मंदिर की शैल वास्तुकला अद्भुत है। इस मंदिर की कहानी रामायण काल से जुड़ी हुई है। रावण को पराजित करने के बाद भगवान राम ने विष्णु जी की एक मूर्ति विभीषण को लंका ले जाने के लिए दी थी। देवी-देवता ऐसा नहीं चाहते थे। इसलिए गणेश जी ने एक ग्वाले का रूप लिया और विभीषण को मूर्ति लंका ले जाने से रोका। विभीषण ने क्रोधित होकर उस ग्वाले के सिर पर वार किया, जिससे उसके सिर पर एक निशान पड़ गया। उसके बाद गणेश जी अपने असली रूप में आए। विभीषण ने उनसे माफी मांगी। आज भी इस मंदिर में स्थापित प्रतिमा के सिर पर एक निशान है। इस मंदिर तक पहुंचने के लिए 417 सीढ़ियां चढ़नी पड़ती हैं। यहां रोजाना भगवान गणेश की 6 आरतियां की जाती हैं। 10 दिन का गणेश चतुर्थी उत्सव यहां बेहद धूमधाम से मनाया जाता है। *

कनिपक्कम विनायक मंदिर आंध्र प्रदेश

चित्तूर में स्थित कनिपक्कम विनायक, गणपति का एक विशेष मंदिर है। यह मंदिर नदी के बीचों-बीच स्थित है। इस मंदिर को 11वीं सदी में चोल राजा कोलोत्तुम चोल प्रथम ने बनवाया था। बाद में 14वीं सदी के प्रारंभ में विजयनगर साम्राज्य के शासकों ने इस मंदिर का विस्तार कराया। यह मंदिर अपनी प्राचीन शिल्प कला और खूबसूरत डिजाइन के लिए विख्यात है। यहां गणेश जी की मूर्ति स्वयंभू (स्वतः प्रकट) है। लेकिन पिछले कई सालों से चमत्कार स्वरूप इस मंदिर में भगवान गणेश की मूर्ति के पेट और घुटने का आकार लगातार बढ़ रहा है। यहां ब्रह्मोत्सवम और गणेश चतुर्थी का उत्सव 21 दिनों तक चलता है। इस मंदिर को पानी के देवता का मंदिर भी कहा जाता है। तिरुपति मंदिर से 75 किलोमीटर दूर स्थित इस मंदिर में भक्त प्रथम पूज्य गणेश के दर्शन के लिए जरूर आते हैं। मान्यता है कि यहां पवित्र जल में डुबकी लगाने से सभी समस्याओं का समाधान हो जाता है। *

बड़े गणेश जी का मंदिर म.प्र.

मध्य प्रदेश के उज्जैन में प्रसिद्ध महाकालेश्वर मंदिर के पास स्थित बड़े गणेश जी का यह भव्य मंदिर है। इस मंदिर में स्थापित गणपति जी की प्रतिमा विश्वभर में स्थापित विशाल मूर्तियों में से एक है, जिसका निर्माण महर्षि गुरु महाराज सिद्धांत वागेश पं. नारायण जी व्यास ने करवाया था। गणपति बप्पा की इस मूर्ति में सीमेंट के बजाय गुड़ और मेथी दानों के साथ ईंट, चूने और रेत का प्रयोग किया गया है। मूर्ति को बनाने में सभी पवित्र तीर्थ स्थलों का जल और सात मोक्षपुरियों-मथुरा, द्वारिका, अयोध्या, कांची, उज्जैन, काशी और हरिद्वार से लाई हुई मिट्टी भी मिलाई गई है। इस वजह से इस मंदिर की मान्यता और बढ़ गई है। *

बाल गणपति मंदिर गोवा

गोवा के पोंडा में स्थित यह मंदिर भगवान गणेश के बाल स्वरूप को समर्पित है। जहां उनकी पूजा छोटे बच्चे के रूप में की जाती है। मंदिर का वातावरण अत्यंत शांत और भक्तिमय है, जो भक्तों को अलग तरह का आध्यात्मिक अनुभव प्रदान करता है। मंदिर की वास्तुकला गोवा की पारंपरिक और आधुनिक शैलियों का सुंदर समायोजन है। यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु और पर्यटक दर्शन के लिए आते हैं। मान्यता है कि यहां दर्शन करने से जीवन में आने वाले संकट दूर होते हैं और मनोकामनाएं पूरी होती हैं। गणेश चतुर्थी के अवसर पर यहां विशेष पूजा-अर्चना, भजन-कीर्तन और शोभायात्रा का आयोजन किया जाता है। *

सामाजिक-सांस्कृतिक एकता का अद्वितीय प्रतीक है गणेशोत्सव

गणेश चतुर्थी से पूरे देश और विशेषकर महाराष्ट्र में गणेशोत्सव का उल्लास देखते ही बनता है। सामाजिक और सांस्कृतिक एकता के प्रतीक इस उत्सव का ऐतिहासिक महत्व भी कम नहीं है। यहां इसके शुभ मुहूर्त और पूजन के बारे में भी बता रहे हैं।

पर्वोल्लास / आर.सी. शर्मा

गणेश चतुर्थी यानी देशभर में मनाया जाने वाला गणेशोत्सव का पर्व महज धार्मिक पर्व भर नहीं है। यह हमारे देश की सामाजिक और सांस्कृतिक एकता का एक मजबूत प्रतीक भी है।

प्रतिमा स्थापना-पूजनः गणेश चतुर्थी का पर्व हर साल भाद्रपद माह की शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि के दिन मनाया जाता है। इस दिन देशभर में बड़ी धूमधाम से गणपति प्रतिमाओं की स्थापना होती है। इस साल 26 अगस्त 2025 की दोपहर 1 बजकर 54 मिनट से प्रारंभ होकर 27 अगस्त 2025 की रात तक गणपति स्थापना का शुभ मुहूर्त है। इस तरह दो दिन से लेकर 10 दिन तक मनाए जाने वाले गणेशोत्सव की शुरुआत 27 अगस्त 2025 से होगी। इस साल 27 अगस्त को गणपति स्थापना के बाद 6 सितंबर 2025 यानी अनंत चतुर्दशी के दिन तक यह पर्व मनाया जाएगा। इसके बाद गणपति विसर्जन होगा।

अगर कर रहे प्रतिमा स्थापितः गणेश पुराण के मुताबिक गणेश चतुर्थी को भगवान गणेश का जन्म हुआ था। इसलिए भक्तगण इस दिन अपने घरों या सार्वजनिक पूजा स्थलों पर गणेश प्रतिमा स्थापित करते हैं। अगर आप पहली बार अपने घर में विघ्न विनाशक गणपति बप्पा की प्रतिमा स्थापित कर रहे हैं तो कुछ बातों का विशेष रूप से ध्यान रखें। जिन गणेश प्रतिमाओं में उनकी सूंड़ बाईं तरफ होती है, ऐसी प्रतिमाओं को घर लाना शुभ माना जाता है। अगर इस बार आपका पहला गणपति स्थापना उत्सव है, तो अपने घर बैठी हुई प्रतिमा ही लाएं, जो सुख, समृद्धि का प्रतीक होती है। भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापना हमेशा ईशान कोण में करनी चाहिए।

गणपति प्रतिमा स्थापना काठ की चौकी पर करना सबसे पवित्र होता है। लेकिन इस चौकी में गणपति स्थापना के पहले इसकी गंगा जल से पवित्र कर लेना चाहिए। गंगा जल और पंच द्रव्यों से चौकी की धुलाई करने के बाद उस पर लाल कपड़ा बिछाकर भगवान गणेश को प्रतिस्थापित करना चाहिए। ध्यान रखें, आपकी स्थापित मूर्ति में गणेश जी का हाथ आशीर्वाद देती मुद्रा में होना चाहिए और उनके दूसरे हाथ में मोदक होना चाहिए। भगवान गणेश की ऐसी प्रतिमा को सबसे शुभ माना जाता है।

महाराष्ट्र का भव्य पर्वः यूं तो पूरे देश में गणेश चतुर्थी का पर्व खूब धूम-धाम से मनाया जाता है। लेकिन महाराष्ट्र में इस पर्व को लेकर देश में सबसे ज्यादा उल्लास होता है। हो भी क्यों न, आखिर आधुनिक गणेश उत्सव की शुरुआत सन 1893 में महाराष्ट्र से ही हुई थी। लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक ने 1893 में गणेश चतुर्थी के पर्व को आधुनिक सार्वजनिक उत्सव का रूप दिया और इस तरह अंग्रेजों के विरुद्ध देशवासियों को सामाजिक एकता के जरिए एकत्रित किया। आज का गणेशोत्सव बहुत कुछ उसी दौर की परंपरा का विस्तार है। यहां गणेशोत्सव सामुदायिक भावना, संगीत, नृत्य, कला, अनुराग और मिलन का इंद्रधनुषी पर्व बन चुका है। इसलिए महाराष्ट्र में यह पर्व धार्मिकता से बढ़कर पहचान और सांस्कृतिक विरासत के उत्सव का रूप ले चुका है। हालांकि महाराष्ट्र में भी यूं तो गणेशोत्सव हर गली, हर घर और हर मुहल्ले में किसी न किसी रूप से मनाया जाता है। लेकिन मुंबई और पुणे ये दो ऐसे शहर हैं, जहां गणेशोत्सव सबसे ज्यादा धूमधाम के साथ मनाया जाता है। मुंबई और पुणे में यह पर्व उत्सव की धूम के साथ-साथ हर साल बढ़ती भव्यता के रूप में भी देखा जाता है। महाराष्ट्र राज्य में गणेशोत्सव को राज्योत्सव के रूप में मनाया जाता है। इसलिए यहां सिर्फ घरों में ही नहीं मैदानों और सोसाइटीज में भी गणपति के भव्य पंडाल लगाए जाते हैं और अगले दस दिनों तक पूरे राज्य में गणपति बप्पा के जयकारे गूंजते हैं। महाराष्ट्र का भव्य गणेशोत्सव आज न सिर्फ भारत में, विदेशों में भी अपनी पहचान कायम कर चुका है।

मुंबई-पुणे की प्रसिद्ध गणेश पूजाः मुंबई में लालबागचा का राजा यानी लाल बाग में स्थापित की जाने वाली गणेश प्रतिमा का उत्सव सबसे ज्यादा धूमधाम से मनाया जाता है। लालबाग के पंडाल में गणेश प्रतिमा स्थापित हो जाने के बाद यहां महाराष्ट्र और देश-विदेश के कोने-कोने से आने वाले भक्तों का तांता लगा रहता है। माना जाता है कि लालबागचा के राजा यानी नौ साझा गणपति का एक बार दर्शन भर कर लेने से मनोकामना पूरी हो जाती है। इसलिए मुंबई के लालबाग इलाके में स्थापित गणेश प्रतिमा के इस पूरे उत्सव के दौरान करोड़ों भक्त दर्शन करते हैं। लालबाग के बाद मुंबई में गिर गांव चौपाटी और केतवाड़ी, सिद्धिविनायक मंदिर में स्थापित होने वाले गणेश पंडाल सबसे ज्यादा भव्य होते हैं, जहां हर दिन गणपति के दर्शन के लिए लाखों भक्त आते हैं।

मुंबई के बाद कुछ विशेष गणेश पंडालों के आकर्षण का यह जलवा पुणे शहर में भी दिखता है। विशेषकर यहां दगडु सेठ हलवाई गणपति टेंपल और तुलसी बाग गणपति का जिक्र होता है। पूरे महाराष्ट्र भर से ही नहीं देश के विभिन्न स्थानों से भी इन पंडालों में गणेश प्रतिमाओं का दर्शन करने लोग आते हैं। *

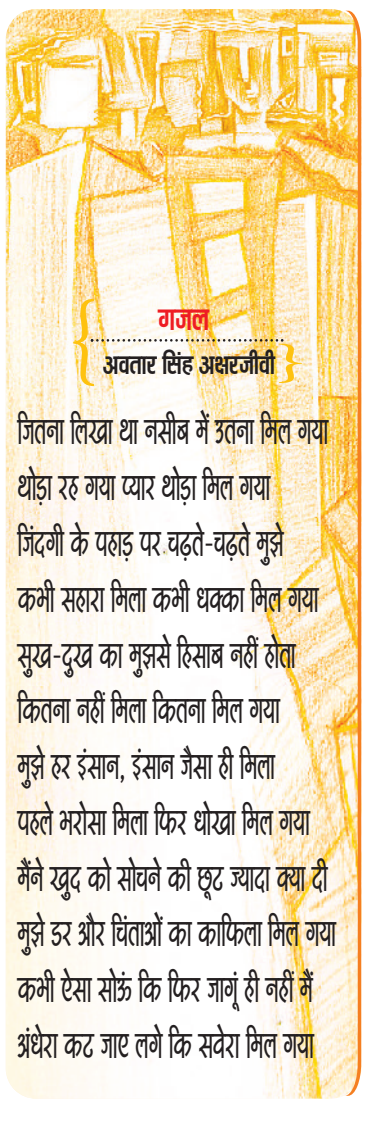

गजल
अवतार सिंह अक्षरजीवी

जितना लिखा था नसीब में उतना मिल गया
थोड़ा रह गया प्यार थोड़ा मिल गया
जिंदगी के पहाड़ पर चढ़ते-चढ़ते मुझे
कभी सहारा मिला कभी धक्का मिल गया
सुख-दुख का मुझसे हिसाब नहीं होता
कितना नहीं मिला कितना मिल गया
मुझे हर इंसान, इंसान जैसा ही मिला
पहले भरोसा मिला फिर धोखा मिल गया
मैंने खुद को सोचने की छूट ज्यादा क्या दी
मुझे डर और चिंताओं का काफिला मिल गया
कभी ऐसा सोऊं कि फिर जागूं ही नहीं मैं
अंधेरा कट जाए लगे कि सवेरा मिल गया

लघुकथाएं

एक अकेला

सेवानिवृत्त अध्यापक आत्माराम जी हर मौसम में अपने साथ छाता लिए बिना घर से बाहर नहीं निकलते। छाता और आत्माराम मानो एक-दूसरे के पूरक बन चुके हैं। पीठ पीछे कुछ लोग उन्हें छाताराम, छतरीवाला, अंब्रेला मैन कह कर हंसी उड़ाते हैं। आत्माराम जी के घनिष्ठ मित्र चतुरमल ने उन्हें एक बार समझाने की कोशिश की तो वह बोले, 'देखो भाई, लोगों द्वारा पीठ पीछे खिल्ली उड़ाने के कारण मैं अपनी सेहत से समझौता नहीं कर सकता। धूप में बिना छाते के चलने पर त्वचा झुलस जाती है, लू लगने का खतरा रहता है। बारिश के मौसम में भीगकर सर्दी-जुकाम होने का डर रहता है। लोगों की परवाह किए बिना अपनी पसंद की वेशभूषा पहनना, घूमना-फिरना और रहना चाहिए।' आत्माराम की बात के आगे चतुरमल चुप रह गए।

आत्माराम जी को एक विवाह समारोह में शामिल होना था। उन्होंने नए कपड़े पहने। छाता लेकर घर से निकलने लगे तो पत्नी शांति ने उन्हें टोका, 'नए कपड़े के साथ पुराना छाता टाट में पैबंद लग रहा है। अभी तो पानी भी नहीं बरस रहा है। काहे छाता लेकर जा रहे हो?'

'आजकल बारिश का कोई भरोसा नहीं होता है। नवंबर, दिसंबर और मार्च, अप्रैल में भी पानी गिरते देखा है। अभी तो अगस्त का महीना है।' आत्माराम ने पत्नी को जवाब दिया और प्रतिक्रिया जाने बिना घर से निकल गए।

आत्माराम जी को विवाह समारोह में पीठ पीछे यूं छाता लटकाए देखकर कुछ लोग मुस्कुराए। कइयों ने अपनी हंसी को मुश्किल से रोका। आत्माराम सभी से आत्मीयता से मिले। वर-वधु को आशीर्वाद दिया। भोजन किया। इतने में बारिश होने लगी। जो लोग कार में आए थे, वे सब निश्चिंत दिखे। बाकी लोगों के पास बरसात थमने की प्रतीक्षा करने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। आत्माराम ने अपना छाता खोला और बेफिक्र होकर अपने घर की ओर चल पड़े। वो लोग जो, अभी कुछ देर पहले उन पर हंस रहे थे, उन्हें देखते रह गए। *

-अशोक वाधवाणी

नाक का सवाल!

आज गुप्ता परिवार में विवाह की पचासवीं वर्षगांठ मनाने की तैयारी थी। इस अवसर पर लगभग सभी रिश्तेदारों को बुलाया गया।

'बड़े भैया नहीं आए अभी तक... काफी देर हो चुकी है।' गुप्ता जी ने अपनी पत्नी से कहा।

'आ जाएंगे... थोड़ा और इंतजार कर लीजिए।' पत्नी ने जवाब दिया।

उसी समय बड़े भैया ने समारोह स्थल पर पैर रखे। नशे में चूर, उनके कदम लड़खड़ा रहे थे।

'भैया आपने शराब पी रखी है, आपने तो जीवन में कभी शराब को छुआ तक नहीं... और आज...!' गुप्ता जी ने उन्हें संभालते हुए पूछा।

'अरे तुमने मेरा दिल जलाया है.. दिल... नाक कटवा दी मेरी... जब मैंने अपने विवाह की पचासवीं वर्षगांठ नहीं मनाई तो तुमने क्यों मनाई... मुझे नीचा दिखाने के लिए। लोग क्या कहेंगे कि बड़ा भाई कंजूस.. मक्खीचूस निकला।' बड़े भैया ने लड़खड़ाती आवाज में जवाब दिया।

'अरे भैया न दिल जलाया आपका और न ही नाक कटी आपकी। बल्कि आपकी नाक रख ली मैंने। आज आपकी ही तो शादी की सालगिरह है। वहां देखिए, भाभी जी बन-संवर के आपकी प्रतीक्षा कर रही हैं।' गुप्ता जी ने स्टेज की तरफ इशारा किया। बड़े भैया ने जैसे ही स्टेज पर अपनी पत्नी को देखा, उनका नशा छू-मंतर हो गया। उनके मुंह से निकला, 'भाई हो तो ऐसा...!' *

-गोविंद भारद्वाज

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

दिल्ली मेट्रो की कहानी

दिल्ली-एनसीआर में रहने वाले लोग ही नहीं, देश-विदेश से यहां आने वाले लोग भी दिल्ली मेट्रो में सफर करने पर इसकी तारीफ किए बिना नहीं रह पाते हैं। वास्तव में पिछले लगभग तेईस वर्षों से दिल्ली मेट्रो, यहां की लाइफलाइन की भूमिका बखूबी निभा रही है। इसकी परिकल्पना, इसकी शुरुआत, इसकी विशेषताओं और फिर निरंतर इसके होते विस्तार की यात्रा-कथा को आंकड़ों, चित्रों और विवरणों के जरिए ऋषिराज ने बहुत सलीके से 'दिल्ली की जीवनरेखाः दिल्ली मेट्रो' पुस्तक में संजोया है। मेट्रो मैन के नाम से विख्यात दिल्ली मेट्रो के कर्णधार ई. श्रीधरन की उपलब्धियों और उनकी कार्यकुशलता के बारे में भी पुस्तक में एक अध्याय है। इसके अलावा लंदन मेट्रो, पेरिस मेट्रो, टोरंटो मेट्रो और न्यूयॉर्क मेट्रो जैसी विदेशी मेट्रो सेवाओं से दिल्ली मेट्रो का तुलनात्मक विवरण भी दिलचस्प है। इस किताब में दिल्ली मेट्रो के आय के स्रोत, इसकी पर्यावरणीय संवेदनशीलता और इसके बारे में अति विशिष्ट लोगों के अनुभवों को भी अलग-अलग अध्यायों में संकलित किया गया है। डीएमआरसी में एजीएम (ऑपरेशंस) के पद पर कार्यरत लेखक ने अपने कार्यक्षेत्र से जुड़ी कुछ मधुर स्मृतियों को भी रोचक शैली में पुस्तक में दर्ज किया है। *

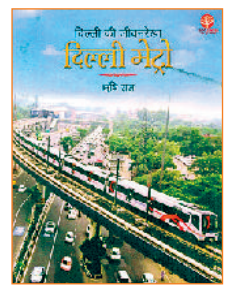

पुस्तकः दिल्ली की जीवनरेखाः दिल्ली मेट्रो,
लेखकः ऋषि राज, **मूल्यः** 460 रुपए,
प्रकाशकः नेशनल बुक ट्रस्ट, भारत

हाल में ही भारत (इसरो) और अमेरिका (नासा) के संयुक्त प्रयास से निर्मित हाईटेक स्पेस राडार सिस्टम-निसार को अंतरिक्ष में भेजा गया। यह पावरफुल सिस्टम धरती के हर हिस्से की बारीकी से तस्वीर लेने में सक्षम है। कैसे भेजा गया निसार, कैसे करेगा यह अपना काम और क्या हैं इसकी विशेषताएं, इस बारे में विस्तार से जानिए।

अंतरिक्ष से धरती पर रखेगा नजर
नया स्पेस राडार निसार

उपलब्धि / शिखर चंद जैन

निसार राडार, अंतरिक्ष विज्ञान की नवीनतम उपलब्धि है। यह अंतरिक्ष से हमारी पृथ्वी पर कुछ ऐसे ही नजर रखता है मानो कोई सीसीटीवी कैमरा 24 घंटे निगरानी रख रहा हो।

क्या है निसार राडार: यह एक सुपर उपग्रह है, जो दिन-रात, हर मौसम में हमारी पृथ्वी की तस्वीरें लेगा और हमें बताएगा कि हमारा ग्रह कैसे बदल रहा है। इसका पूरा नाम नासा-इसरो सिंथेटिक अपर्चर राडार (निसार) है। इसे भारत की अंतरिक्ष एजेंसी इसरो और अमेरिका की अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने मिलकर बनाया है। यह एक अंतरिक्ष यान जैसा है, जो पृथ्वी के चारों ओर चक्कर लगाएगा और हमारी धरती की तस्वीरें लेगा। लेकिन ये तस्वीरें कोई साधारण फोटोग्राफ नहीं होंगे। निसार एक खास तकनीक, जिसे सिंथेटिक अपर्चर राडार कहते हैं, का इस्तेमाल करता है। यह तकनीक इतनी शक्तिशाली है कि यह बादलों, बारिश, रात या दिन हर समय पृथ्वी की सतह की साफ-साफ तस्वीरें ले सकती है। यह उपग्रह हर 12 दिन में पूरी पृथ्वी को स्कैन करेगा और हमें ऐसी जानकारी देगा, जो पहले कभी इतने विस्तार से नहीं मिलती थी।

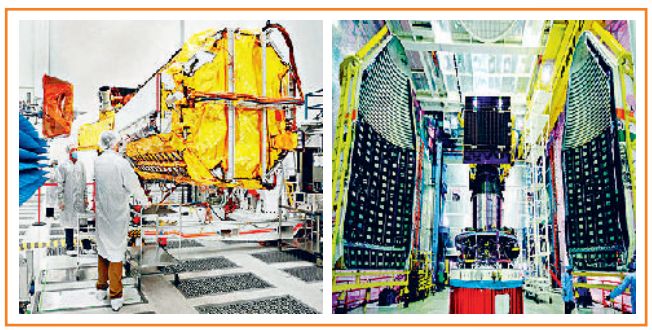

कैसे शुरू हुआ मिशन: अंतरिक्ष विज्ञान की दुनिया में निसार मिशन भारत और अमेरिका की वैज्ञानिक उपलब्धियों का एक शानदार उदाहरण है। इसरो और नासा ने 2014 में इस मिशन के लिए साझा काम शुरू किया था। दोनों ने मिलकर इस उपग्रह को डिजाइन किया, जिसमें दोनों देशों की तकनीकी ताकत का इस्तेमाल हुआ है। नासा ने इसमें एल-बैंड राडार, एक बड़ा 12 मीटर का एंटीना, जीपीएस रिसीवर और डेटा रिकॉर्ड करने के लिए सॉलिड-स्टेट रिकॉर्डर लगाया है। इसरो ने एस-बैंड राडार, अंतरिक्ष यान का मुख्य ढांचा (सैटेलाइट बस) और इसे अंतरिक्ष में भेजने के लिए जीएसएलवी-एफ 16 रॉकेट दिया। यह उपग्रह 2,392 किलोग्राम वजनी है, यानी यह एक छोटी कार जितना भारी है। इसे 30 जुलाई 2025 को आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा में सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से अंतरिक्ष में भेजा गया।

निसार की विशेषताएं: निसार दूसरे उपग्रहों या राडारों से कई मामलों में अलग और विशिष्ट है। इसमें दो तरह के राडार हैं- एल-बैंड और एस-बैंड। ये दोनों मिलकर बहुत सटीक तस्वीरें लेते हैं। एल-बैंड लंबी तरंगों (24 सेंटीमीटर) का इस्तेमाल करता है, जो जंगलों और मिट्टी के अंदर तक देख सकता है। एस-बैंड छोटी तरंगों (12 सेंटीमीटर) का इस्तेमाल करता है, जो सतह की बारीक जानकारी देता है। यह हर मौसम में काम करने में सक्षम है। अंधेरा हो या उजाला, बारिश हो या धुंध, निसार हमेशा काम करता है, क्योंकि यह राडार तकनीक का इस्तेमाल करता है, न कि कैमरे का। इसका बड़ा एंटीना इसकी विशेषता है। निसार का 12 मीटर लंबा एंटीना सोने की परत वाली जाली से बना है। यह एक बड़े छाते जैसा लगता है। निसार हर 12 दिन में पूरी पृथ्वी का नक्शा बनाएगा और 242 किलोमीटर चौड़े क्षेत्र को स्कैन करेगा। यह सेंटीमीटर स्तर की सटीकता से बदलावों को देख सकता है। निसार से मिलने वाली जानकारी पूरी दुनिया के वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं के लिए मुफ्त उपलब्ध होगी।

निसार कैसे काम करता है: आप जरूर जानना चाहेंगे कि यह उपग्रह इतनी सटीक तस्वीरें कैसे खींच लेता है? दरअसल, यह राडार सिग्नल पृथ्वी की सतह की ओर भेजता है। ये तरंगें सतह से टकराकर वापस इसके पास पहुंचती हैं। वापस आने वाली तरंगों को निसार का एंटीना पकड़ता है। इससे यह पता चलता है कि सतह कैसी है- चट्टान, पानी, बर्फ या जंगल। इन सिग्नलों को कंप्यूटर की मदद से तस्वीरों में बदला जाता है। ये तस्वीरें इतनी साफ होती हैं कि छोटे-छोटे बदलाव भी दिख जाते हैं, जैसे कि एक पहाड़ का हल्का-सा खिसकना। फिर निसार अपने डेटा को पृथ्वी पर मौजूद स्टेशनों को भेजता है, जहां वैज्ञानिक इसे अध्ययन करते हैं।

निसार की जिम्मेदारी: निसार एक सुपर स्मार्ट उपग्रह है, जो पृथ्वी की सतह को बहुत ध्यान से देखता है। यह हमें बताएगा कि हमारी धरती में क्या-क्या बदलाव हो रहे हैं? इसके मुख्य दायित्वों होंगे-

प्राकृतिक घटनाओं पर नजर: निसार भूकंप, सुनामी, ज्वालामुखी विस्फोट और भूस्खलन जैसी प्राकृतिक आपदाओं को समझने में मदद करेगा। यह हमें पहले से चेतावनी दे सकता है, ताकि लोग सुरक्षित रहें। यह उपग्रह ग्लेशियरों के पिघलने, समुद्र के स्तर में बढ़ोतरी और जंगलों में बदलाव को देखेगा। इससे हमें यह समझने में मदद मिलेगी कि हमारी धरती जलवायु परिवर्तन से कैसे प्रभावित हो रही है।

कृषि और जंगल की निगरानी: निसार मिट्टी की नमी, फसलों की स्थिति और जंगलों की कटाई की जानकारी देगा। यह किसानों को बेहतर खेती करने में मदद करेगा।

महासागरों और बर्फ की निगरानी: यह समुद्र में बर्फ, तूफान और जहाजों की गतिविधियों पर नजर रखेगा। साथ ही यह शहरों के विकास और सड़कों, पुलों जैसी संरचनाओं की स्थिति को भी देखेगा।

कब तक काम करेगा निसार: निसार को कम से कम तीन साल तक काम करने के लिए डिजाइन किया गया है। हालांकि उपग्रह में उपयोग होने वाली सामग्री को 5 वर्ष तक चलने के लिए डिजाइन किया गया है। इसका मतलब है कि प्राथमिक मिशन 3 साल तक चलेगा, लेकिन यदि आवश्यक हो तो इसे अतिरिक्त समय तक संचालित किया जा सकता है। यह पृथ्वी से 743 किलोमीटर ऊपर सूर्य-समकालिक कक्षा में चक्कर लगाएगा। इस कक्षा में यह हमेशा सूरज की रोशनी में रहेगा, जिससे इसे ऊर्जा मिलती रहेगी। इसका डेटा भारत और अमेरिका के वैज्ञानिकों के साथ-साथ पूरी दुनिया के साथ साझा किया जाएगा। *

अंतरिक्ष राडार का इतिहास

राडार का आविष्कार द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान हुआ था। मुख्य रूप से रॉबर्ट वाटसन को इसका श्रेय दिया जाता है। यह तकनीक रेडियो तरंगों का उपयोग करके वस्तुओं की दूरी, गति और दिशा का पता लगाने के लिए विकसित की गई थी।

शुरुआत में, राडार का उपयोग सैन्य उद्देश्यों के लिए किया गया, जैसे कि दुश्मन के विमानों का पता लगाना। राडार सिस्टम का उपयोग अंतरिक्ष यानों की स्थिति, गति और कक्षा को मॉनिटर करने के लिए किया गया।

पहचानें अपनी कमजोरियां
आत्मविश्वास से बढ़ें आगे

मनचाही सफलता पाने के लिए सबसे जरूरी गुण है आत्मविश्वास। और आत्मविश्वास तभी मजबूत होता है, जब आप अपनी कमजोरियों को स्वीकार करते हुए उन्हें दूर करने का प्रयास करते हैं। इस बारे में यूजफुल सजेशंस।

सेल्फ इंप्रूवमेंट
अंजू जैन

इस दुनिया में कुछ भी ऐसा नहीं है, जो संपूर्ण हो। चल-अचल, सजीव-निर्जीव हर रचना में कोई न कोई खामी है और किसी न किसी मायने में हर वस्तु, व्यक्ति, जीव और परिस्थिति अधूरी या कमजोर है। फिर ऐसा कैसे हो सकता है कि हमारे व्यक्तित्व, कार्यक्षमता, बौद्धिक-शारीरिक क्षमता या स्वभाव में कोई कमी न हो? इसलिए हमें अपनी कमजोरियों को लेकर विचलित, दुःखी या निराश होने की बजाय इनको पहचानना चाहिए और इनके प्रति सहज रहते हुए पूरे आत्मविश्वास के साथ आगे की कार्ययोजना बनानी चाहिए।

अपने डर के साथ आगे बढ़ें: आत्मविश्वासी बनने के बारे में सबसे गलत धारणा यह है कि इसका मतलब है निडर होकर जीना जबकि आत्मविश्वास की वास्तविक परिभाषा इसके बिल्कुल विपरीत है। इसका मतलब है, हम हमारे लिए महत्वपूर्ण और मायने रखने वाले कामों को करते समय अपने भीतर की कमजोरियों और डर के साथ आगे बढ़ने को तैयार हैं। किसी बात को लेकर जब हमारे भीतर संशय हो और फिर भी हम आगे बढ़ने को तैयार हों तो इससे हमारा आत्मविश्वास बढ़ता है लेकिन अगर हम केवल वही काम करेंगे, जिसके बारे में हम आश्वस्त हैं तो हमारा आत्मविश्वास कभी पूर्व स्तर से आगे नहीं बढ़ सकता।

डर को हावी न होने दें: परिस्थितियों को अपने ऊपर हावी मत होने दें। दूसरा कोई नहीं, केवल आप खुद ही अपनी परिस्थितियों को बदल सकते हैं। हाल ही में फेमस एक्टर डायरेक्टर जैकी चान कहते हैं, 'जिंदगी हमें हराएगी लेकिन उससे मुकाबला करना जरूरी है।' फारसी कवि मौलाना मोहम्मद जलालुद्दीन रूमी ने कहा है, 'अपने जीवन के बेहद खराब दौर में हार ना मानें, क्योंकि यही से आपकी राह बदलेगी।' आपकी पीड़ाएं और कमजोरियां कुछ कहने की कोशिश करती हैं, इनको समझने की कोशिश करें। महत्वपूर्ण यह है कि आप इनकी आवाज को कितना समझते हैं और उस पर कितनी और कैसी प्रतिक्रिया देते हैं?

कमजोरी से दोस्ती करें: हमें यह पहचानना चाहिए कि हमारा डर हमें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में किस तरह से मदद कर सकता है? चर्चित पुस्तक 'व्हाई हैज नोबडी टोल्ड मी दिस बिफोर' में डॉ. जूली स्मिथ ने इस संदर्भ में बहुत गहरी बात कही है। उन्होंने लिखा है, 'आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए यह बेहद जरूरी है कि हम अपनी कमजोरी से दोस्ती करें, क्योंकि यह कुछ समय के लिए आत्मविश्वास के बिना रहने का एकमात्र तरीका है।' आत्मविश्वास तभी बढ़ सकता है, जब हम इसके बिना रहने को तैयार होंगे, जब हम डर के साए में कदम रख सकें। यही साहस हमारे आत्मविश्वास को जमीन से ऊपर उठाता है। साहस पहले आता है, आत्मविश्वास उसके बाद।

लोगों को न बताएं कमजोरियां: आपकी कमजोरियां आपकी टॉप सीक्रेट लिस्ट में होनी चाहिए। व्यवहार विशेषज्ञ कहते हैं, लोगों से अपनी तकलीफें और कमजोरी बताने की आदत ना डालें। किसी से ऐसा ना कहें कि आप बीमार रहते हैं और भीतर से टूट चुके हैं। ना ही किसी से अपनी विपरीत परिस्थितियों का जिक्र करें। अपने पुराने दुखों और संघर्षों की वजह से खुद को उदास और चिड़चिड़ा ना बनाएं। पुस्तक 'नो युअर हिडेन पोटेंशियल' में कहा गया है, कई लोग जानते ही नहीं कि वे बेचैन क्यों हैं? अपनी इच्छाओं और कमजोरी को पहचानना शुरू करेंगे तो अपनी ऊर्जा का बेहतर इस्तेमाल कर पाएंगे।'

व्यक्तित्व के हर पहलू को समझें: खुद को वैसे ही स्वीकार करें, जैसे आप हैं। अपने साथ प्रेमपूर्वक व्यवहार करें, जैसा कि आप दूसरों के साथ करते हैं। 'एक्नॉलेज द टोटेलिटी ऑफ योर बीइंग' में समझाया गया है कि आप अपने हर पहलू को स्वीकार करना सीखें। इससे आप खुद के प्रति नरम और सकारात्मक हो जाते हैं। जब हम अपनी नकारात्मक भावनाओं और कमजोरी को कोई अनहोनी बड़ी बात या डरने वाली बात मानना बंद कर देते हैं तो ये चीजें आपको ज्यादा निराश नहीं करतीं। इन्हीं के साथ अपनी शक्तियां और कमजोरियां भी नोट करें। *

अवेयरनेस
प्रभाकांत कश्यप

अगर आप किसी भी सोशल मीडिया या एप का यूज करते हैं तो आपको इससे जुड़े नियम-कानून के बारे में जानकारी जरूर रखनी चाहिए। इससे आप कई मुसीबतों से बचे रहेंगे।

इन नियमों को जरूर जानें
सोशल मीडिया यूजर्स

हालांकि 'डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन एक्ट-2023' को 11 अगस्त 2023 को राष्ट्रपति की मंजूरी मिल गई थी, इसी के साथ यह औपचारिक रूप से कानून बन गया था। लेकिन इस साल 2025 में इसके नियम और क्रियान्वयन तेजी से लागू हो रहे हैं। इसलिए सोशल मीडिया यूज करने वाले हर भारतीय को इसकी जानकारी होना बेहद जरूरी है।

क्या है यह कानून: डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन कानून, 2023 भारत सरकार द्वारा बनाया गया एक कानून है, जो आपके निजी डेटा की सुरक्षा करता है, जैसे कि- आपका नाम, फोटो, मोबाइल नंबर, आधार नंबर, पैन कार्ड, हेल्थ रिपोर्ट, स्कूल/कॉलेज रिकॉर्ड, आपकी लोकेशन, बैंकिंग जानकारी और जो कुछ भी आपकी पहचान से जुड़ा है।

क्यों जरूरी है इसे जानना: भारत में आज लगभग हर व्यक्ति मोबाइल, एप्स, सोशल मीडिया, बैंकिंग और सरकारी सेवाओं में अपना निजी डेटा ऑनलाइन शेयर करता है- जैसे आधार संख्या, मोबाइल नंबर, लोकेशन डेटा, बैंक डिटेल्स, हेल्थ और एजुकेशन से जुड़ी जानकारी, फेशियल और बायोमैट्रिक डेटा आदि। इस कानून का मकसद है कि आपका डेटा सुरक्षित रहे और कोई भी कंपनी या संस्था उसे आपकी अनुमति के बिना इस्तेमाल न कर सके।

इस कानून की मुख्य बातें: इस कानून में कई प्रावधान किए गए हैं। जैसे- यह कानून भारतीय नागरिकों की डिजिटल सुरक्षा को प्राथमिकता देता है। आपकी अनुमति के बिना कोई भी आपका निजी डेटा नहीं ले सकता। आप किसी कंपनी से कह सकते हैं कि वो आपका डेटा डिलीट करे। जो कंपनी या संस्था आपका डेटा लेती है, वह इसके लिए जिम्मेदार होगी। 18 साल से कम उम्र वालों का डेटा और भी कड़ी निगरानी में रहेगा। कानून पालन न करने पर कंपनियों पर 250 करोड़ रुपए तक का जुर्माना हो सकता है। सरकार कंपनियों की डेटा प्रोसेसिंग भी बंद कर सकती है।

आम आदमी के लिए क्या मायने: इस कानून के जरिए अब आप जान सकते हैं कि कौन सी एप, बैंक या वेबसाइट आपका डेटा कैसे और क्यों इस्तेमाल कर रही है? आप अपना डेटा डिलीट करवाने या ट्रांसफर करने की मांग कर सकते हैं। आप सरकार या कंपनी से सवाल पूछ सकते हैं कि उन्होंने आपकी जानकारी कैसे ली और क्या किया?

इस कानून का मकसद: आपका निजी डेटा अब आपकी मर्जी के बिना, न कोई एप इस्तेमाल कर सकता है, न कोई वेबसाइट इसे सेव कर सकती है, न ही किसी कंपनी को बेचा जा सकता है।

आपको क्या अधिकार मिलते हैं: कोई भी एप/साइट आपके डेटा का इस्तेमाल आपकी इजाजत से ही कर सकती है। आप किसी भी कंपनी से अपना डेटा डिलीट करने को कह सकते हैं। अगर आपकी जानकारी गलत है, तो आप उसे ठीक करने की मांग कर सकते हैं। आप साफ मना कर सकते हैं कि आपका डेटा किसी और काम में इस्तेमाल न किया जाए।

इसलिए है जरूरी: अगर आप यह कानून नहीं जानते तो आपको कई तरह के नुकसान हो सकते हैं। आपका डेटा चोरी हो सकता है। आपकी बिना इजाजत कोई एप, आपकी लोकेशन, फोटो या कॉल लिस्ट चुरा सकता है। फ्रॉड कॉल/मैसेज बढ़ सकते हैं आपका नंबर बेचा जा सकता है, जिससे ठग आपको निशाना बना सकते हैं। बैंक फ्रॉड हो सकता है। आपकी निजी डेटा वायरल होने से शर्मिंदगी और तनाव हो सकता है।

आप क्या कर सकते हैं: कोई एप इंस्टॉल करने से पहले अनुमति जांचें। वेबसाइट पर 'प्राइवेसी पॉलिसी' पढ़ें। अपने डेटा के इस्तेमाल की जानकारी मांगें। अगर आपका डेटा गलत तरीके से इस्तेमाल हुआ है, तो डाटा प्रोटेक्शन बोर्ड में शिकायत करें। *

स्मरण
मनोज प्रकाश

जब भी दिल को छू लेने वाले कर्णप्रिय या भावनाओं से भरे दर्द भरे गीतों का जिक्र आता है, तो याद आते हैं बॉलीवुड के बीते सुनहरे दौर के लाजवाब गायक मुकेश। मुकेश की पुण्यतिथि (27 अगस्त) पर उनके गाए गीतों को याद कर रहे हैं लेखक।

सिर्फ दर्द भरे नहीं हर मूड के गीत गाने में बेमिसाल थे मुकेश

बॉलीवुड की गीत-संगीत की गंगा में जिन नामों की धाराएं बहती हैं, उनमें गायक के रूप में मोहम्मद रफी, किशोर कुमार और मुकेश सबसे विशिष्ट और लोकप्रिय माने जाते हैं। इनमें से मुकेश के गाने का अंदाज बहुत अनोखा और सीधे रूह को स्पर्श कर लेता है। उनके गाए सदाबहार गीत आज भी लोगों को पसंद आते हैं। मुकेश की आवाज तो कुछ एक्टर्स की पहचान से जुड़ गई थी तभी तो खुद राजकपूर ने मुकेश के निधन पर कहा था, 'मैंने आज अपनी आवाज को खो दिया है।'

प्रारंभिक जीवन: 22 जुलाई 1923 को दिल्ली में जन्मे मुकेश का पूरा नाम मुकेश चंद माथुर था। मुकेश ने दसवीं तक की औपचारिक शिक्षा ली। कुछ समय तक उन्होनें पीडब्ल्यूडी में काम किया। मुकेश का रुझान शुरुआत से ही गीत-संगीत की तरफ था। उन्होंने गायन के क्षेत्र में भी प्रयास आरंभ किया। शुरुआती संघर्षों के बाद मुकेश बॉलीवुड के सफलतम गायकों में से एक के रूप में गिने जाने लगे।

मुकेश को अपनी आवाज मानते थे राज कपूर

के. एल. सहगल से होती थी तुलना: कहते हैं, मुकेश की आवाज में कई बार लोग के.एल. सहगल की आवाज को तलाशते थे। दरअसल, मुकेश की गायनशैली काफी हद तक उनसे मिलती थी। मुकेश ने कुछ ऐसे गीत भी गाए हैं, जिनमें वही दर्द है, जो के.एल. सहगल के गाए गीतों में महसूस होता है।

दर्द भरे गीतों के आइकॉन: मुकेश के गाए गीतों में एक ऐसी कशिश होती है, जो हर किसी को उसे सुनने के लिए अपनी ओर खींच लेती है। मुकेश को खासकर दर्द भरे गीतों का आइकॉनिक सिंगर माना जाता है। दर्द भरे गीतों को गाने में उनकी आवाज में वास्तविक दर्द छलकता महसूस होता है।

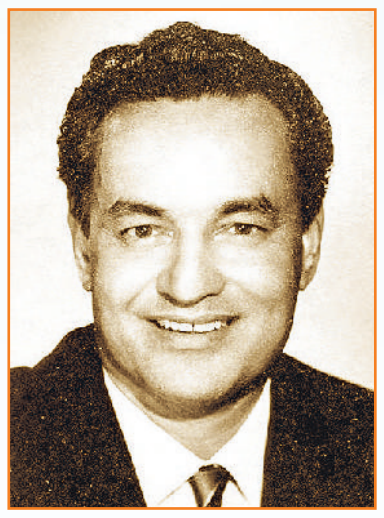

देश-विदेश में पाई लोकप्रियता: मुकेश के गाए गीतों को देश में ही नहीं विदेशों में भी खूब लोकप्रियता मिली। 'आवारा हूं या गर्दिश में हूं, आसमान का तारा हूं।' राज कपूर की फिल्म 'आवारा' का यह गीत भारत में ही नहीं तत्कालीन सोवियत संघ में भी खासा लोकप्रिय हुआ था। मुकेश का गाया गीत 'मेरा जूता है जापानी' महफिलों-पार्टियों की शान हुआ करता था। उस दौर के अनेक यंगस्टर्स अपनी पार्टियों में मस्ती के मूड में इस गीत को कोरस में गाया करते थे।

हर तरह के गीत गाए: मुकेश को आमतौर पर लोग उनके दर्द भरे गीतो के लिए जानते हैं। लेकिन यह मुकेश की वर्सेटाइल सिंगिंग एबिलिटी का एक हिस्सा मात्र था। हकीकत तो यह है कि मुकेश ने हर मूड, हर सिचुएशन के लिए कमाल के गाने गाए हैं। 'कभी-कभी मेरे दिल में ख्याल आता है', 'कहीं दूर जब दिन ढल जाए', 'सुहाना सफर और ये मौसम हसीं', 'मैं पल दो पल का शायर हूं', 'जाने कहां गए वो दिन', 'किसी की मुस्कुराहटों पे हो निसार', 'जीना यहां मरना यहां, इसके सिवा जाना कहां', 'कहता है जोकर सारा जमाना, आधी हकीकत आधा फसाना', 'मैंने तेरे लिए ही सात रंग के', 'इक दिन बिक जाएगा माटी के मोल' जैसे गीतों में मुकेश की गायकी के अलग-अलग आयाम देखे जा सकते हैं। पर्वों को खुशनुमा बनाने के लिए भी मुकेश ने कई गीत गाए हैं। 'ये राखी बंधन है ऐसा' उन्होंने लता मंगेशकर के साथ गाया। यह गीत आज भी रक्षाबंधन के अवसर पर खूब सुना जाता है।

फिल्म 'मिलन' के सीन में सुनील दत्त-नूतन

टॉप सितारों को दी आवाज: मुकेश को भले ही मुख्य रूप से 'राजकपूर की आवाज' के तौर पर जाना जाता रहा है, लेकिन मुकेश ने अपने दौर के लगभग सभी टॉप अभिनेताओं के लिए गाने गाए। राजकपूर के साथ-साथ मुकेश ने मनोज कुमार, दिलीप कुमार, राजेश खन्ना, राजेंद्र कुमार, अमिताभ बच्चन, सुनील दत्त आदि के लिए भी एक से एक मधुर गीतों का इंद्रधनुष बिखेरा। फिल्म 'हिमालय की गोद में' मनोज कुमार पर फिल्माया उनका गीत 'चांद सी महबूबा हो मेरी, कब ऐसा मैंने सोचा था', आज भी नई जेनरेशन के लवर्स गाते-गुनगुनाते हैं। फिल्म 'कटी पतंग' में राजेश खन्ना पर फिल्माया गीत 'जिस गली में तेरा घर न हो बालमा, उस गली से हमें तो गुजरना नहीं', आज भी लोकप्रिय है। लोकधुन से सजा मुकेश की सुरीली आवाज में फिल्म 'मिलन' का लोकप्रिय-कर्णप्रिय गीत 'सावन का महीना पवन करे सोर' सुनील दत्त पर फिल्माया गया। 'रात और दिन' में प्रदीप कुमार के लिए मुकेश ने 'रात और दिन दीया जले, मेरे मन में फिर भी अंधियारा है' गाया था।

चला गया बेमिसाल गायक: मुकेश, किशोर कुमार की तरह भले ही खिलंदड़ स्टाइल में नहीं गाते थे पर वह हल्के, रोमांटिक, भावपूर्ण तथा सहजता से भरे स्वर से जब किसी गीत को लय में पेश करते थे, तो श्रोताओं की सांसें थम जाती थीं और उनकी आवाज के साथ श्रोता खुद को मिलाने का प्रयास करने लगते थे।

वर्ष 1976 में मुकेश जब मिशिगन (यूएस) में एक प्रोग्राम देने गए थे तो उन्हें वहीं पर हार्ट अटैक हुआ और उनकी सांसें, 27 अगस्त 1976 को थम गईं। आज मुकेश स्मृति शेष जरूर हैं पर उनके गाए गीत दुनिया की फिजाओं में यही कह रहे हैं- 'जीना यहां-मरना यहां इसके सिवा जाना कहां.. ' *

नदी गाथा
वीना गौतम

पारिस्थितिकी-जनजीवन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है महानदी

दक्षिण से पूर्व की ओर बहने वाली महानदी, गोदावरी और कृष्णा की तरह ही देश की एक महत्वपूर्ण नदी है। जलप्रवाह की दृष्टि से यह भारत की दसवीं सबसे बड़ी नदी है और नदी घाटी क्षेत्रफल के अनुसार इसका स्थान छठवां है। यह देश की छठवीं सबसे बड़ी नदी घाटी है।

कृषि के लिए अत्यंत उपयोगी: इसकी लंबाई 858 किलोमीटर है और इसकी मुख्य सहायक नदियों में शिवनाथ, हसदेव, तेल, जोंक और मांड नदियां हैं। महानदी ओडिशा में एक विशाल डेल्टा बनाती है, जो कृषि के लिए अत्यंत उपजाऊ क्षेत्र है। इसका कुल जलग्रहण क्षेत्र 1,41,600 वर्ग किलोमीटर है। यह 53 फीसदी जलग्रहण छत्तीसगढ़ राज्य से करती है, जबकि 46 फीसदी जलग्रहण ओडिशा से करती है। शेष 1 प्रतिशत जलग्रहण क्षेत्र में महाराष्ट्र, झारखंड और आंध्र प्रदेश के विभिन्न हिस्से आते हैं। महानदी के जरिए छत्तीसगढ़ और उड़ीसा में लाखों हेक्टेयर भूमि की सिंचाई होती है और इसी नदी के जल से भिलाई के इस्पात संयंत्र के लिए पानी मिलता है और शहर के लिए पेय जल भी। 1957 में जब इस नदी पर सबसे बड़ा मिट्टी का बांध हीराकुंड बना, उसके बाद से इसकी बाढ़ भयावहता कम हुई है।

पर्यावरण के लिए महत्वपूर्ण: जहां तक महानदी की जैव विविधता का सवाल है तो महानदी का बेसिन अनेक जलजीव, पक्षी और पौधों की प्रजातियों के लिए जाना जाता है। विशेषकर ओडिशा में चिल्का झील इसकी महत्वपूर्ण जैव विविधतापूर्ण जलराशि है। महानदी अपनी आर्द्रभूमि और मैंग्रोव वनों के लिए भी जानी जाती है, जो कि कार्बन सिंक और जैव विविधता संरक्षण में अत्यंत सहायक हैं। महानदी के डेल्टा में बड़े पैमाने पर मछली पालन होता है। इस तरह यह ओडिशा के लिए एक बहुत बड़ा आर्थिक स्रोत है। महानदी में बना हीराकुंड बांध जलविद्युत और बाढ़ नियंत्रण में अत्यंत महत्वपूर्ण साबित हुआ है। महानदी अभी बहुत कम प्रदूषित है, इस वजह से भी इसका पारिस्थितिकीय महत्व अन्य बड़ी नदियों से बढ़कर है। *